@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 176 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 रविवार, 04 मई 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

हरियाणा: जल विवाद पर हुई सर्वदलीय बैठक

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की बैठक के बाद हरियाणा तय करेगा अपनी रणनीति

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा और पंजाब के मध्य चल रहे जल विवाद पर आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें हरियाणा के हितों की सुरक्षा के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके पंजाब सरकार से आग्रह किया गया कि बीबीएमबी की तकनीकी समिति के 23 अप्रैल, 2025 के तथा बीबीएमबी बोर्ड के 30 अप्रैल, 2025 के फैसलों को बिना शर्त लागू किया जाए। हरियाणा को मिलने वाले पानी के हिस्से पर लगाई गई अमानवीय, अनुचित, अवैध एवं असंवैधानिक रोक को तुरंत हटाया जाए। सर्वदलीय बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज, रणबीर गंगवा, श्याम सिंह राणा, श्रीमती श्रुति चौधरी, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, इनेलो पार्टी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा व विधायक आदित्य देवीलाल, जजपा पार्टी की ओर से पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा, आम आदमी पार्टी से सुशील गुप्ता, बीएसपी से कृष्ण जमालपुर, सीपीआई (एम) से ओमप्रकाश और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने पिछले 10 सालों के आंकड़े प्रस्तुत कर जल वितरण की जानकारी सांझा की। इसके बाद सभी नेताओं ने विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान सभी नेताओं ने हरियाणा में पीने के पानी के संबंध में उभरे जल संकट पर चिंता व्यक्त की और पंजाब द्वारा हरियाणा के हिस्से के पानी को रोकने को असंवैधानिक बताया। सभी नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर भ्रामक प्रचार कर रही है। हरियाणा कोई अतिरिक्त पानी की मांग नहीं कर रहा है और न ही पंजाब के हिस्से का पानी मांग रहा है। हरियाणा तो उसे हर साल मिलने वाले पानी के अपने हिस्से को पूरा देने की मांग कर रहा है, जोकि अभी पंजाब द्वारा गैर-कानूनी तरीके से रोक दिया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री का कहना कि हरियाणा ने अपने कोटे का पूरा पानी इस्तेमाल कर लिया है, यह प्रचार भी गलत है। वास्तविकता यह है कि डैम के पानी में कोई कोटा नहीं होता, बल्कि डैम में पानी की उपलब्धता के आधार पर राज्यों को पानी का वितरण तय किया जाता है। हरियाणा द्वारा अपने पानी के हिस्से को पूरा मांगने से न तो पंजाब का पानी कम हो रहा है और न ही डैम में पानी कम हो रहा है। सभी नेताओं ने एक मत से कहा कि हरियाणा की जनता के हित में और उसके हिस्से का पूरा पानी लेने के लिए हम हरियाणा सरकार के साथ हैं। पिछले 10 सालों में पंजाब व हरियाणा को दिए गए पानी का ब्यौरा देते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब ने हर साल अपने हिस्से से काफी ज्यादा पानी का उपयोग किया है। बैठक में सभी नेताओं ने एकमत से कहा कि पंजाब का संघीय ढांचे पर विश्वास नहीं है।

जहां एक ओर हरियाणा का हमेशा सभी समझौतों पर सकारात्मक रवैया रहा है।

राज्य सरकार अंत्योदय कल्याण के प्रति वचनबद्ध: कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि ईमानदारी, कर्मठता और मेहनत की बदौलत सैनी समाज की हमेशा अपनी विशेष पहचान रही है। महाराजा शूरसैनी के वंशज सैनी समाज की आपसी भाईचारा और मिलनसार व्यवहार भी खूबी है। कृष्ण कुमार बेदी आज नरवाना में आयोजित सैनी सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराजा शूरसैनी, महात्मा ज्योतिबा फूले व माता सावित्री बाई फूले की शिक्षा आज भी बराबर प्रासंगिक है और वर्तमान सरकार इन्हीं महात्माओं द्वारा बताए आदर्शों का अनुसरण करते हुए जन कल्याण के प्रति समर्पित भाव से कार्य कर रही है। समाज के आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता है। इस दिशा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा अंत्योदय कल्याण के लिए गए फैसलों से नए सामाजिक उत्थान का सूत्रपात हो रहा है। बेदी ने कहा कि महापुरूषों के जीवन मूल्य किसी भी समाज की उन्नति के लिए जीवंत आधार होते हैं। प्रदेश सरकार संत कबीर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, गुरू रविदास, संत धन्ना भगत, महात्मा ज्योतिबा फूले जैसे साधु संतों द्वारा दिखाए रास्ते पर ही चल रही है। समाज में साधु संतों की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार हो और उन्नत एवं सभ्य समाज का निर्माण हो, इसके लिए राज्य सरकार अपने स्तर पर सभी संत महापुरुषों की जयंतियां मना रही है।

जल विवाद: पानी के मुद्दे पर सभी दल सरकार के साथ: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा और पंजाब के बीच मौजूदा जल विवाद को लेकर हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शनिवार को कहा कि इस मुद्दे को लेकर सब दल एक साथ हैं। चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा आहूत सर्वदलीय बैठक के दौरान हुड्डा ने कहा जहां तक हरियाणा के पानी का सवाल है तो हम सभी दल एक साथ प्रदेश सरकार के साथ खड़े हैं। किसी भी प्रदेश का पानी रोकना असंवैधानिक है। अभी तक पंजाब अपने शेयर से 9फीसदी ज्यादा पानी ले चुका है। यह पानी राजस्थान और दिल्ली भी जाएगा। पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा का पानी रोकना असंवैधानिक, अमानवीय और अलोकतांत्रिक फैसला है। अगर जरूरत पड़ी तो सब दल मिलकर केंद्र सरकार के पास भी इस मुद्दे को लेकर जाएंगे। चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के सभी दलों की पानी के विवाद पर बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता, इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा और विधायक आदित्य देवीलाल मौजूद शामिल हुए। पूर्व उपमुख्यमंत्री और जेजेपी के नेता दुष्यंत चौटाला और पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा के पानी को रोके जाने पर चर्चा हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि अगर पंजाब हरियाणा को पानी नहीं देता तो इस मुद्दे को लेकर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। भाखड़ा से हरियाणा को अभी 4000 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। इसमें से 800 क्यूसेक राजस्थान, 500 क्यूसेक दिल्ली और 400 क्यूसेक पानी पंजाब को भी जाता है।

भाखड़ा का पूरा पानी लाना सुनिश्चित करे सरकार: दुष्यंत

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

जननायक जनता पार्टी ने मौजूदा जल संकट के विषय पर राज्य सरकार को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया है और मांग की है कि पंजाब के साथ जल समझौतों को पूरी तरह लागू करवाने के लिए हरसंभव कदम उठाए। पंजाब द्वारा पानी रोके जाने के विषय पर हुई सर्वदलीय बैठक में जेजेपी की तरफ से पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा ने हिस्सा लिया और सरकार से उचित कदम उठाने को कहा। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार को भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड में हरियाणा के अधिकारियों की संख्या बढ़ानी चाहिए ताकि हमारे अधिकारी अपने राज्य के हक के पानी के लिए बेहतरी से पैरवी कर पाए। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के तानाशाही रवैये को देखते हुए केंद्र सरकार को नंगल डैम पर तुरंत प्रभाव से अर्धसैनिक बल की तैनाती करनी चाहिए और हरियाणा को उसके हिस्से का पूरा पानी दिलाए। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज पंजाब से पूरा पानी नहीं मिलने के चलते हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, कैथल, जींद जैसे अनेक जिलों के लोग पेयजल संकट का सामना करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार और पंजाब सरकार को गंभीरता के साथ जल्द जल बंटवारे के विवाद को सुलझाना चाहिए। हरियाणा सरकार को लोगों के लिए पेयजल की आपूर्ति के प्रबंधन के लिए अन्य संसाधनों और आपात व्यवस्थाओं पर भी गंभीरता से तुरंत कदम उठाने चाहिए। ताकि आने वाले दिनों में पेयजल की समस्या गंभीर ना बने। साथ ही जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला ने सभी सांझे बांधों की गाद निकालने, बीबीएमबी को ऊर्जा मंत्रालय से हटाकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अधीन करने और हरियाणा का पानी लाने के लिए केंद्रीय बलों का इस्तेमाल करने के विषय भी उठाए।

हरियाणा के खिलाड़ियों को नई उड़ान: 2025-26 खेल कैलेंडर जारी

पलवल/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने वर्ष 2025-26 के लिए राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी करने की घोषणा की। इस कैलेंडर से खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं की अग्रिम जानकारी मिलेगी, जिससे वे बेहतर तैयारी कर सकेंगे। राज्य स्तरीय मंच पर पदक जीतने वाले खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का नाम रोशन करेंगे। 16 से 18 मई 2025 को राज्य स्तरीय अखाड़ा दंगल प्रतियोगिता होगी। इसके बाद 6 से 8 जून को स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप, 20 से 22 जून को सीनियर स्टेट खेल महाकुंभ होगा।

एक दिन की बारिश ने खोली मंडियों में प्रबंधों की पोल: सैलजा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की अनाज मंडियों में सरकार की ओर से कैसी व्यवस्था की गई है कि इसकी पोल एक ही दिन की बारिश ने खोलकर रख दी है। समय पर उठान न होने के कारण मंडी में गेहूं बारिश में भीगकर खराब हो रहा है। आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा, बारिश से गेहूं खराब होने को लेकर किसानों और आढ़तियों में भारी रोष है क्योंकि भीगने से गेहूं की गुणवत्ता घटेगी, तो उसका नुकसान या तो किसानों को झेलना पड़ेगा या फिर व्यापारियों को जबकि तुलाई के बाद

किसान की जिम्मेदारी खत्म हो जाती है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि अनाज मंडियों में व्यापक प्रबंध न होने पर उनकी ओर से पहले भी कई बार यह मुद्दा उठाया था कि सरकार द्वारा मंडियों की सुध ली जा रही है जिससे पूरा उठान भी नहीं हो पा रहा है। अब जब किसानों की मेहनत बर्बाद हो रही है, क्या किसी की कोई जवाबदेही तय होगी? भाजपा सरकार बिना देरी के इस व्यवस्था को सुधारे ताकि मंडियों में पड़ा अनाज यूं ही खराब न हो। समय पर उठान न होने के कारण अनाज मंडियों में गेहूं बारिश में भीग कर खराब हो रहा है।

एक दिन की बारिश में ही भाजपा सरकार के तमाम दावों की पोल खुल गई। इसे लेकर किसानों और व्यापारियों में गुस्सा हैं। हर बार बरसात में ऐसा ही होता है, लेकिन प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति करता है। अब जब गेहूं की गुणवत्ता घटेगी, तो उसका नुकसान या तो किसानों को झेलना पड़ेगा या फिर व्यापारियों को। सरकार की लापरवाही से जो अनाज खराब हुआ है, उसका उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

मंत्री राव नरबीर ने गुरुग्राम में जलभराव के चिन्हित स्थानों का किया निरीक्षण

निजी विद्यालयों को छात्रों का विवरण 15 मई तक लिंक पर करना होगा अपलोड

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

मुख्यमंत्री हरियाणा समान शिक्षा राहत, सहायता एवं अनुदान चिराग स्कीम के तहत शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में कक्षा पांचवीं से बारहवीं में मान्यता प्राप्त 689 निजी विद्यालयों में गरीब परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जानी है।

शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि मौलिक शिक्षा निदेशालय द्वारा निजी विद्यालयों द्वारा दशार्यी गई सीटों पर दाखिला छात्रों का विवरण विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करवाने के लिए लिंक / को 15 मई 2025 तक लाइव कर दिया गया है।

उक्त लिंक तथा टक्र पर छात्रों का विवरण 15 मई तक अपडेट करवाने बारे संबंधित विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं। प्रवक्ता ने जानकारी दी गई है कि इस बारे में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी विद्यालयों से डाटा अपडेशन की दैनिक रिपोर्ट प्राप्त कर शिक्षा निदेशालय को अवगत करवाना सुनिश्चित करें, ताकि डाटा अपडेशन अनुसार दाखिल छात्रों की फीस प्रतिपूर्ति राशि का क्लेम विद्यालयों को जारी किया जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि चिराग योजना के तहत कक्षा पांचवीं से बारहवीं में सहमति प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों द्वारा 15 मार्च 2025 से 31 मार्च 2025 तक छात्रों के आवेदन प्राप्त करने हेतू तथा 1 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक दाखिले की प्रक्रिया संपन्न की जानी थी।

समाज को सशक्त बनाने के लिए नशे का करें त्याग: बंडारू दत्तात्रेय

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने और चंडीगढ़ को भारत का पहला ड्रग-फ्री शहर बनाने के उद्देश्य से आज शनिवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 17 स्थित तिरंगा पार्क में ड्रग फ्री चंडीगढ़ के लिए पदयात्रा का आयोजन किया गया। वॉक का नेतृत्व पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने किया। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है जो न केवल व्यक्ति को, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को खोखला करती है। यह हमारे युवाओं की ऊर्जा, उनकी प्रतिभा और उनके सपनों को छीन लेती है। राज्यपाल ने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को इसके खतरों के बारे में जागरूक करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज की यह वॉकथॉन समाज में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह आयोजन लोगों को नशे से दूर रहने व समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करेगा। नशे के खिलाफ इस लड़ाई के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। राज्यपाल ने हरियाणा और पंजाब दोनों राज्यों की सरकारों को नशे के खिलाफ एक संयुक्त नीति बनाकर कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि नशे की समस्या से निपटने के लिए हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में अनेक कदम उठा रही है। सरकार ने पंचकूला में एक अन्तर्राज्यीय ड्रग सचिवालय की स्थापना की है। इसके साथ ही एंटी नारकोटिक्स सैल्स भी स्थापित किए गए हैं। मादक पदार्थों से सम्बन्धित मामलों की जल्द सुनवाई तथा सजा सुनिश्चित करने हेतु राज्य के सभी जिलों में फास्ट्रैक न्यायालयों की स्थापना की जा रही है।

हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा: गुर्जर

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के राज्य मंत्री राजेश नागर ने शनिवार को जिला फरीदाबाद के सेहतपुर पल्ला में सीवरेज और पीने के पानी की लाइन डालने के कार्य का स्थानीय लोगों के हाथों से नारियल तुड़वाकर शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि आज पल्ला से सेहतपुर तक सीवर लाइन और पीने के पानी की पाइप लाइन डालने के दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया गया। इन विकास कार्यों पर सरकार द्वारा लगभग 5 करोड़ 43 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें सीवर लाइन बिछाने पर लगभग 3 करोड़ 14 लाख रुपये तथा पीने के पानी की लाइन डालने पर लगभग 2 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत आएगी। इन कार्यों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ हो और हर घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। दोनों ही नेताओं का लक्ष्य ह्रसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व के मंत्र को साकार करते हुए आम जन तक विकास की वास्तविक पहुंच सुनिश्चित करना है। चाहे वह बुनियादी ढांचे का विस्तार हो, स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि हो या ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण–हर क्षेत्र में तीव्र गति से कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक विकास की रोशनी पहुंचाने का संकल्प लिया है। पल्ला से सेहतपुर तक सीवर लाइन और पेयजल पाइपलाइन जैसी परियोजनाएं इसी नीति का प्रमाण हैं, जो यह दशार्ती हैं कि सरकार आम जनता की प्राथमिक आवश्यकताओं के प्रति कितनी संवेदनशील और जिम्मेदार है। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को सर्वोपरि मानते हुए निरंतर सक्रिय और प्रतिबद्ध है। स्थानीय नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग को साकार रूप देते हुए इन विकास कार्यों की शुरूआत एक नए युग की शुरूआत है। सीवर लाइन की व्यवस्था से क्षेत्र में स्वच्छता और स्वास्थ्य को नया आयाम मिलेगा, वहीं पीने के पानी की पाइपलाइन से हर घर तक शुद्ध और सुरक्षित जल की पहुंच सुनिश्चित होगी। इन परियोजनाओं का शुभारंभ इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार अपने नागरिकों के जीवन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे न सिर्फ बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ होंगी।

सामाजिक कार्य समाज में एकता और सहयोग को बढ़ाते हैं : लक्ष्मी प्रसाद

हरियाणा वाटिका/एकजोत
शाहाबाद मारकंडा, 03 मई। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गांव लण्डी के समाजसेवी चौधरी बलबीर सिंह ने 12 जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल ड्रेस प्रदान की। इस मानवीय योगदान के लिए विद्यालय परिवार ने उनका आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि सामाजिक कार्य समाज में एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। इस प्रकार की सेवा भावना न केवल लोगों को जोड़ती है, बल्कि समाज को साथ लेकर चलने की शक्ति भी देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित

करते हुए कहा कि आप सभी जब भविष्य में जीवन में किसी बड़े मुकाम पर पहुंचें, तो समाज सेवा को कभी न भूलें। ऐसे कार्य हमें एक ज़िम्मेदार नागरिक बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक कार्य जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक हैं और इनमें शामिल होकर हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक समानता जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक रणवीर सिंह, मुकेश शर्मा, जयप्रकाश, संजीव कुमार, तरसेम शर्मा, संजय कुमार, डी.पी. और अजय सिंह भी मौजूद रहे।

युवक 6.74 ग्राम हैरोइन सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त के दौरान चौटाला क्षेत्र से एक युवक को 6.74 ग्राम हैरोइन सहित काबू किया है।
सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया एएसआई पाला राम पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान गांव चौटाला में बस अड्डा में मौजूद थे। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस पार्टी के साथ नजदीक बिजली घर चौटाला पहुंचे तो एक युवक खड़ा दिखाई दिया। युवक सामने से पुलिस की गाड़ी को आता देखकर एकदम भागकर सरकारी समिति की तरफ घुसने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबूकर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 6.74 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान अमित कुमार उर्फ मीतू पुत्र राजपाल निवासी चौटाला के रुप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ थाना सदर डबवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कार्यवाही की गई है।

12:36 ग्राम हैरोइन सहित दो युवक काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। सीआईए सिरसा व एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान अलग-अलग जगहों से दो युवकों को 12 ग्राम 36 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है।
सीआईए सिरसा प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान नाथूसरी चोपटा थाना क्षेत्र के गांव चाहरवाला की ओर जा रही थी। इसी दौरान गांव चाहरवाला के समीप सामने से बाइक सवार युवक आता हुआ दिखाई दिया। उक्त युवक सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक घबरा गया और बाइक को वापस मोडकर भागने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त बाइक सवार युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली तो उसके कब्जा से 6 ग्राम 17 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान संदीप कुमार पुत्र जगदीश चंद्र निवासी गिगोरानी जिला सिरसा को रुप में हुई है।
वहीं एक अन्य घटना में एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा टीम ने गश्त व चैकिंग के गांव खारिया की ओर जा रही थी। पुलिस पार्टी जब गांव पंजुआना के समीप पंहुची तो कंफेक्शनरी की दुकान के सामने से एक युवक खड़ा दिखाई दिया। उक्त युवक ने सामने पुलिस पार्टी को देखकर अचानक भागने की कोशिश की। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को गिरफ्तार कर राजपत्रित अधिकारी के मौजूदगी में उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 6 ग्राम 19 मिली ग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान रितेश उर्फ रिशु पुत्र सतीश कुमार निवासी गांव पंजुआना जिला सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में बच्चों को पिलाया स्वर्णप्राशन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 मई। श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा आयुर्वेदिक अस्पताल में शनिवार को स्वर्णप्राशन संस्कार शिविर लगाया गया। इस दौरान 18 साल आयु तक के 250 से अधिक बच्चों को स्वर्णप्राशन की बूंदें पिलाई गई, जिसका उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता, बुद्धि, स्मरण शक्ति एवं संपूर्ण विकास को बढ़ाना है। कौमारभृत्य विभाग के चेयरमैन प्रो. वैद्य शंभू दयाल शर्मा ने बताया कि कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में हर पुष्य नक्षत्र के दिन विश्वविद्यालय के आयुर्वेद अस्पताल परिसर में कैंप लगाया जाता है,जिसमें अनुभवी वैद्यों की देखरेख में स्वर्णप्राशन संस्कार विधि पूर्वक किया जाता है। प्रो.वैद्य अमित कटारिया ने बच्चों के अभिभावकों को स्वर्णप्राशन के लाभों के बारे में जागरूक किया और बताया कि हर पुष्य नक्षत्र के दिन यह संस्कार बच्चों के लिए अत्यंत लाभकारी माना गया है। प्रो. कटारिया ने बताया कि स्वर्णप्राशन बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। स्मरण शक्ति व बुद्धि विकास में सहायता करता है। यही नहीं, बार-बार बीमार पड़ने वाले बच्चों को स्वास्थ्य लाभ देता है। स्वर्णप्राशन एक आयुर्वेदिक विधि है जिसमें शुद्ध स्वर्ण भस्म, घृत (घी), मधु और कुछ औषधियों के मिश्रण को विशेष विधि से तैयार कर बच्चों को दिया जाता है। यह परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है और बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में कारगर मानी जाती है।

पद्म श्री हंसराज हंस गुरु काशी विश्वविद्यालय में 'सूफी और लोक संगीत विरासत पीठ' के अध्यक्ष नियुक्त किए गए

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार
चंडीगढ़, 03 मई। पंजाब की संगीत परंपराओं को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, गुरु काशी विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो ने विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स संकाय के तहत 'सूफी और लोक संगीत विरासत पीठ' की स्थापना की घोषणा की है। इस अवसर पर आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित गायक पद्म श्री हंसराज हंस को पीठ के अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से स्वागत किया।
यह पीठ सूफी और लोक संगीत की समृद्ध धरोहर को शोध, शिक्षा, प्रलेखन और जनसंपर्क के माध्यम से संरक्षित करने और बढ़ावा देने का कार्य करेगी। हंसराज हंस के साथ, प्रो. डॉ. गुरप्रीत कौर, जो संकाय की डीन हैं, को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि डॉ. अमन सूफी को परियोजना समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है।
प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने संबोधन में गुरु काशी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश्वर सिंह ने कहाः
"हमें गर्व है कि हम इस पीठ की स्थापना कर रहे हैं, जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर को अतीत और भविष्य के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगी। यह न केवल संगीत परंपराओं को संरक्षित करने में सहायक होगी, बल्कि सूफी और लोक संगीत के अध्ययन एवं अभ्यास को गहरी अकादमिक समझ भी प्रदान करेगी।"

जरूरतमंदों को तुरंत न्याय दिलाएं अधिवक्ता: पुनीश जिंदिया

नवनियुक्त सैशन जज का जिला बार संघ ने किया स्वागत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया के सम्मान में जिला बार संघ कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया।
प्रवक्ता मोहन लाल एडवोकेट ने बताया कि जिला बार संघ की ओर से सचिव हरदीप सिंह सिद्धू ने समस्त ज्यूडिशियल अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं का हार्दिक अभिनंदन किया। सैशन जज ने कहा कि समस्त बार व न्याय लेने वालों के साथ मैं अपने कर्तव्य का पालन करूंगा। उन्होंने कहा कि

धर्म नगरी सिरसा में उन्हें पहली बार सेवा करने का अवसर मिला है। उन्होंने अधिवक्ताओं का आह्वान किया कि वे गरीबों व जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए प्रथम श्रेणी में आकर कार्य करते हुए न्याय के लिए हर संभव सहायता करें। संघ के अध्यक्ष चौधरी गंगाराम ढाका ने कहा कि पहले भी सिरसा बार बेंच का समस्त न्यायालयों में अच्छा नाम लिया जाता है और अब हमें उम्मीद है की नए सैशन जज के कार्यकाल में बार और बेंच मिलकर न्यायालय की गरिमा का ध्यान रखते हुए बढिया कार्य करेंगे।
इस अवसर पर जिला बार संघ सिरसा के उप प्रधान अनुज गनेरीवाला, डॉ. केवल कृष्ण, संयुक्त सचिव भूपेंद्र कौर नागपाल, भारत भूषण गर्ग तथा जिला बार संघ का समस्त स्टाफ व अधिवक्ता मौजूद थे।

डिंग क्षेत्र में खड़े ट्रक-ट्राला से डीजल चोरी की वारदात सुलझी

पुलिस दो युवकों को कैथल से प्रोडेक्शन वारंट पर लिया

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। डिंग थाना पुलिस ने भावदीन टोल प्लाजा के समीप जीओ पेट्रोल पंप पर खड़ी गाड़ी से डीजल चोरी की वारदात के दो आरोपियों को कैथल से प्रोडेक्शन वारंट पर लेकर डीजल चोरी की वारदात को सुलझा ली है।
डिंग थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर भीम सिंह ने बताया कि बीते 3 दिसंबर 2024 को भंवर सिंह पुत्र माधु सिंह निवासी चामू जोधपुर राजस्थान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि भावदीन टोल प्लाजा से पहले जिओ पेट्रोल पंप पर रात्रि करीब 1:00 बजे उसने अपनी गाड़ी में करीब 445 लीटर डीजल तेल डलवाकर पेट्रोल पंप पर ही सो गया था। सुबह 5 बजे उठकर गाड़ी को चैक किया तो पता चला की

अज्ञात युवक गाड़ी की टंकी का लॉक तोडकर गाड़ी से सारा डीजल तेल चोरी करके ले गए थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ तेल चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान डिंग थाना की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को कैथल से प्रोडेक्शन वारंट पर लेकर अदालत से एक दिन का रिमांड हासिल किया गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से पूछताछ कर डीजल चोरी की राशि बरामद की जाएगी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विक्रम पुत्र राजबीर सिहं व रितेश उर्फ रिंकू निवासी ढाणी ब्राह्मण वाली जिला हिसार के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बतलाया कि उनका तेल चोरी करने का पेशा है। उनका आपराधिक रिकार्ड खंगाल कर पूछताछ की गई तो पता चला कि आरोपियों के खिलाफ हिसार, रोहतक, कुरुक्षेत्र, जींद, सिरसा, फतेहाबाद तथा कैथल में अब तक तेल चोरी की करीब 15/20 वारदातें को अंजाम दे चुके हैं तथा फिलहाल तेल चोरी के मामलों में कैथल जेल में बंद थे।

भक्ति-शक्ति यात्रा अध्यात्म एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक : डॉ. वीरेन्द्र पाल

कुवि के तृतीय द्वार पर मां ज्वाला देवी दिव्य ज्योति शक्ति यात्रा में केयू शिक्षकों एवं अधिकारियों ने किए दिव्य ज्योति के दर्शन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 मई। हिमाचल प्रदेश से मां ज्वाला देवी की दिव्य ज्योति शक्ति यात्रा के शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के तृतीय द्वार पर पहुंचने पर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल सहित शिक्षकों एवं अधिकारियों ने दिव्य ज्योति के दर्शन किए। कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि यह भक्ति-शक्ति यात्रा अध्यात्म एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता भारतवर्ष की पहचान रही है इसलिए देश की आध्यात्मिक शक्ति को संग्रहित कर इसे राष्ट्र निर्माण के कार्यों में लगाना हमारा परम कर्त्तव्य है। मां ज्वाला जी की दिव्य ज्योत के दर्शन मात्र से निश्चित ही सभी के जीवन

प्रकाशमान होगा तथा आलौकिक आनंद की प्राप्ति भी होगी। उन्होंने कहा कि सनातन परम्परा के अनुसार यह दिव्य ज्योत आध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता, सनातन चेतना, शक्ति एवं ऊर्जा का भी आधार है। इस अवसर पर केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी ने बताया कि यह दिव्य भक्ति-शक्ति यात्रा हिमाचल प्रदेश के ज्वाला जी मंदिर से होकर लगभग 2000 किलोमीटर की यात्रा करने के बाद मध्यप्रदेश के पशुपतिनाथ घुरेल में सम्पन्न होगी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा 8 राज्यों से होकर जाएगी तथा मार्ग में आने वाले मंदिरों में भक्तों एवं साधकों को माता रानी की पवित्र ज्योत के दर्शन, भजन, कीर्तन, सत्संग द्वारा आध्यात्मिक उन्नति एवं सामाजिक समरस्ता की दिव्य अनुभूति होगी। इस दिव्य ज्योत के दर्शन के प्रबंधन का दायित्व विधि विभाग के डॉ. सुनील भारती ने संभाला। इस मौके पर प्रो. सुशीला चौहान, प्रो. अमित लूदरी, डॉ. अतुल रशिका, डॉ. मीरा चौधरी, डॉ. सुखविन्द्र, डॉ. सुनील भारती सहित बड़ी संख्या में केयू शिक्षक, कुलपति के ओएसडी पवन रोहिला, सहायक कुलसचिव डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा व छात्रगण मौजूद रहे।

मोबिल1 ने अनफॉरगेटेबल जर्नीज कैंपेन की नई विज्ञापन फिल्म लांच की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
गुरुग्राम, 03 मई। एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, जो भारत में मोबिल ब्रांड के लुब्रिकेंट्स बेचती है, ने आज अपने अनफॉरगेटेबल जर्नीज कैंपेन की नई विज्ञापन फिल्म लॉन्च की। इस फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन नजर आएंगे और इसमें दुनिया के अग्रणी सिंथेटिक इंजन ऑयल ब्रांड मोबिल 1 को प्रमुखता से दिखाया गया है। इस नई फिल्म की खास बात यह है कि इसमें पहली बार ऋतिक रोशन अपने पिता, मशहूर फिल्म निमार्ता और निर्देशक राकेश रोशन के साथ स्क्रीन पर दिखाई दे रहे हैं। ऋतिक की पहली सुपरहिट फिल्म ह्यकहो ना प्यार हैह्न

को 25 साल पूरे हो गए हैं। यह कैंपेन उनके कभी न रुकने वाले जोश और यादगार परफॉर्मेंसेस की तलाश को सलाम करता है। ऋतिक की यह यात्रा भारत जैसे देश की भी कहानी है, जहां सपने देखने वाले हर चुनौती का सामना करते हैं और मेहनती लोग अपने सपनों को साकार करते हैं। मोबिल 1 भी इसी भावना को साझा करता है। यह एक ऐसा ब्रांड है जो इंजन ऑयल की दुनिया को लगातार नई दिशा देता है। अत्याधुनिक टेक?नोलॉजी से लैस यह ब्रांड समय के साथ आगे बढ़ता है और ऐसे हाई परफॉर्मेंस इंजन ऑयल तैयार करता है जो आपके इंजन को लंबे समय तक नया बनाए रखते हैं।
चार्लीन परेरा, मैनेजिंग डायरेक्टर, एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, मोबिल 1 ने दशकों से सबसे कठिन परिस्थितियों में अपनी काबिलियत साबित की है, चाहे वह लैब हो, सड़कें हों या रेसिंग ट्रैक। लंबे माइलेज के बाद भी इससे जुड़े इंजन बेहतरीन हालत में रहते हैं। मोबिल 1 का वादा है कि हम ग्राहकों को सबसे नई तकनीक और बेहतरीन प्रदर्शन वाला इंजन ऑयल देंगे, जो आपके इंजन को 'नए जैसा' बनाए रखे, ताकि आप भारत की सड़कों पर निश्चिंत होकर घूम सकें और जिंदगी का हर पल खुलकर जी सकें।

युवक 6.35 ग्राम हैरोइन सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। पुलिस चौकी सिंहपुरा ने गश्त के दौरान गांव केवल से एक युवक को 6.35 ग्राम हैरोइन सहित काबू किया है।
पुलिस चौकी सिंहपुरा प्रभारी उप निरीक्षक चंदन सिंह ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ गश्त के दौरान केवल बस अड्डा पर खड़े थे। उन्होंने गुप्त सूचना के आधार पर बताए गए स्थान पर साथी कर्मचारियों की सहायता से एक युवक को काबू करके उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा 6.35 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान छिंदा सिंह पुत्र सुखदेव सिंह निवासी वार्ड नंबर 4 कालांवाली के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना कालांवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कार्यवाही की गई है।

अंडर-11 में जसनूर रही प्रथम

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। श्री देवप्रकाश मोंगा मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा सिरसा क्लब में आयोजित जिला स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप में सेंट जोसेफ स्कूल की छात्रा जसनूर ने अंडर-11 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। स्कूल प्रिंसीपल अना मोरिस्का अंताओ ने इस शानदार उपलब्धि के लिए कोच सिकंदर सिंह व छात्रा जसनूर को बधाई दी व भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। जसनूर के पिता खुशदीप ने कहा कि जसनूर की शुरू से ही गेम के प्रति रूचि रही है और वह राज्य स्तर पर भी अपना भाग्य आजमा चुकी है। उन्होंने कहा कि कोच सिकंदर सिंह के मार्गदर्शन में जसनूर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और उन्हें उम्मीद है कि वह एक दिन राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएगी।

एसपी ने प्रशिक्षु आईपीएस की प्रशिक्षण अवधि समाप्त होने पर विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें उज्जवल भविष्य की दी शुभकामनाएं

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शनिवार को प्रशिक्षु आईपीएस उत्तम पहल की प्रशिक्षण अवधि समाप्त होने पर भव्य विदाई समारोह आयोजन किया गया।
पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता व उपस्थित पुलिसकर्मियों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईपीएस उत्तम पहल ने पुलिस अधीक्षक कार्यलय व थानों में प्रशिक्षण के दौरान पुलिस कार्य प्रणाली का अध्ययन किया तथा अपने अनुभव को पुलिस कर्मियों के साथ सांझा किया। आईपीएस उत्तम पहल ने पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे हमेशा अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए तत्पर रहगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधीकारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गप्ता ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस कर्मियों से कहा कि पुलिस सेवा के प्रति उन्हें सदैव जनता की सुरक्षा और शांति व्यवस्था के प्रति अपने कर्तव्य निर्वहन में सर्वश्रेष्ठ अवसर सामने लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईपीएस उत्तम पहल ने प्रक्षिशण के दौरान पुलिस विभाग में सराहनीय कार्य कर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी की जंहा भी ड्यूटी लगे वहां पर अपनी बेहतरीन उपस्थिति दर्ज करवा कर सराहनीय कार्य कर पुलिस विभाग की छवि के लिए काम करना चाहिए, ताकि लंबे समय तक उक्त पुलिस अधिकारी व कर्मचारी की कार्य प्रणाली को लोग लंबे समय तक याद रखें। पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षु आईपीएस उत्तम पहल को जिला पुलिस की और से पौधा भेंट कर सम्मानित किया तथा पुलिस विभाग में उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डीएसपी आदर्शदीप, डीएसपी संजीव बल्हारा, डीएसपी विकास कृष्णन सहित अनेक पुलिसकर्मी मौजूद रहें और अपने अपने विचार सांझा किए।

रोडवेज बस ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, ई-रिक्शा चालक की मौत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 03 मई। सिरसा में शुक्रवार रात को ओवर ब्रिज पर रोडवेज बस ने एक ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के कारण ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।
सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। फिलहाल रोडवेज बस चालक का पता नहीं लग पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।
जानकारी अनुसार जैसे ही रोडवेज बस से ई-रिक्शा को टक्कर लगी। वैसे ही ई-रिक्शा चालक नीचे गिर गया। रोडवेज बस चालक ने बस को रोका तक नहीं गया और सीधा फरार हो गया। लोग मौके पर पहुंचे और घायल को ऑटो में बैठाकर अस्पताल में पहुंचाया। यह घटना सिरसा रेलवे ओवरब्रिज के पास शुक्रवार रात को 9 बजे के करीब हुई। वहीं सिरसा में हिसार रोड स्थित जंडी वाली गली निवासी मृतक सचिन कुमार के परिवार का बुरा हाल है। मृतक सचिन करीब सात साल से किराए पर ई-रिक्शा चलाता था और उसी पर घर का गुजारा चलाने की जिम्मेदारी थी। वहीं मृतक के भाई बलबीर सिंह ने बताया कि सचिन ई-रिक्शा लेकर सुरखाब चौक से बस स्टैंड की ओर से पुल से होते हुए घर आ रहा था। पुल से नीचे उतरते समय यह हादसा हो गया। ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गई। वह बस स्टैंड पुलिस चौकी में गए थे, उस समय एक पुलिसकर्मी मिला। परिवार ने पुलिस प्रशासन एवं हरियाणा सरकार से मांग की है कि रोडवेज चालक को तत्काल गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए। मृतक की मां सिंगला रानी ने बताया कि रोडवेज बस चालक सचिन को टक्कर मारकर चला गया। पीछे यह भी नहीं देखा किसे चोट लगी है और कुछ हुआ या नहीं। वह बस स्टैंड पर चला गया। अगर वह रूक जाता या उसे अस्पताल पहुंचाता तो समय पर इलाज मिलने पर वह बच जाता। लोग बोले कि बस बहुत तेजी से आ रही थी। बस के ब्रेक तक नहीं लगे। टक्कर मारते ही ड्राइवर बस को भगा ले गया। ड्राइवर ने सीधा बस स्टैंड पर ही बस को रोकी। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 4 लाख ठगे

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। फतेहाबाद जिला में बिजली निगम में कार्यरत एएलएम से उसके बेटे को सरकारी नौकरी दिलवाने के नाम पर 4 लाख रुपए की धोखाधड़ी हुई है।

पुलिस को दी शिकायत में फतेहाबाद की सब अर्बन डिवीजन में कार्यरत एएलएम वीरेंद्र कुमार ने बताया है कि उसका बेटा विकास 12वीं पास है। उसे फूड कॉपोरेशन ऑफ इंडिया में नौकरी दिलवाने के नाम पर सिरसा जिला के रोड़ी के वार्ड नंबर 6 निवासी जसपाल ने धोखाधड़ी की है। वीरेंद्र ने बताया है कि आरोपी का उनके विभाग में आना-जाना था। इस कारण उससे उसकी जान-पहचान हो गई। वीरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी ने उसे अपनी बातों में ले लिया और कहने लगा कि वह उसके बेटे को नौकरी लगवा देगा। उसकी बीजेपी के बड़े बड़े लीडरों के साथ जान पहचान हैं। उसका कोई भी काम नहीं रुकता हैं। उसने अपने बेटे विकास को नौकरी लगवाने के लिए कहा। तब आरोपी ने कहा कि नौकरी लगवाने के लिए पैसे लगेंगे, पूछने पर बताया कि नौकरी लगवाने के 5 लाख रुपए लगेंगे, नौकरी पक्की होगी। दोनों की बीच में 4 लाख रूपए देना तय हुआ। वीरेंद्र कुमार ने बताया कि उसके बाद उसने चार लाख रुपए आरोपी के बैंक खाते में डाल दिए। जसपाल को पैसे मिलने के बाद भी उसके बेटे की नौकरी नहीं लगी। वह जब भी उससे पूछता तो हर बार टाल मटोल कर देता है। अब आरोपी ने चार लाख रुपए वापस लौटाने से भी इंकार कर दिया है। आरोप है कि उसने पैसों के लिए दोबारा फोन करने पर जान से मरवाने की धमकी भी दी है। पुलिस ने सिरसा जिला के रोड़ी निवासी आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है।

परीक्षा देने गई छात्रा लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। थेहड़ मोहल्ला से परीक्षा देने के लिए कॉलेज गई छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 1 मई की सुबह उनकी बेटी परीक्षा देने के लिए नेशनल कॉलेज में गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। उसने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की लेकिन बेटी का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

सोलर का कंट्रोलर चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। गांव झोरडयाली में चोर एक किसान के खेतों से सोलर का कंट्रोलर चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में खेत मालिक पवनदीप सिंह ने बताया कि उसने अपने खेतों में सोलर सिस्टम लगाया हुआ है। उसने बताया कि बीती 1 मई की शाम को वह खेतों से घर आ गया। देर रात को चोरों ने खेतों में घुसकर सोलर का कंट्रोलर चोरी कर लिया। सुबह जब वह खेतों में गया तो उसे इस घटना का पता चला। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कंट्रोलर का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

गुरुद्वारे का गुल्लक तोडकर चुराई हजारों की नकदी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। गांव हिमायुखेड़ा में एक गुरुद्वारे में घुसकर चोरों ने गुल्लक से 15 से 20 हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली।

पुलिस को दी शिकायत में मंगल सिंह पुत्र गुरनाम सिंह ने बताया कि वह गुरुद्वारा बाबा जोरावर सिंह बाबा फतेह सिंह में बतौर पाठी काम करता है। उसने बताया कि शाम को वह पूजा पाठ के बाद घर चला गया। देर रात को चोरों ने गुरुद्वारे में घुसकर गुल्लक के ताले तोडकर 15 से 20 हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली। सुबह जब वह पूजा पाठ के लिए आया तो उसे घटना का पता चला। उसने अंदर जाकर देखा तो गुल्लक टूटा पड़ा था। नकदी संभाली तो गायब मिली। उसने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की लेकिन चोरी का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

शहर में दो स्थानों से उड़ाई बाइक

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। शहर में अलग-अलग स्थानों से चोर दो बाइक चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में गुरमीत सिंह निवासी फ्रेंडस कॉलोनी सिरसा ने बताया कि बीती 2 मई की दोपहर को वह सामान लेने के लिए बाजार गया था। बाइक दुकान के बाहर खड़ी कर वह सामान लेने के लिए चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। दूसरे मामले में धनूर निवासी प्रेमचंद ने बताया कि उसने संजीवनी अस्पताल के बाहर अपना बाइक खड़ी की थी। कुछ देर बाद संभाला तो बाइक गायब मिली। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव 7 मई को मनाया जाएगा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 03 मई। आगामी 7 मई को कस्बे की परशुराम धर्मशाला में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में ब्राह्मण संगठनों द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डा.अरविंद शर्मा मुख्यातिथि तथा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत करें। इस अवसर पर युवराज पंडित हरियाणवी लोक गायक अपने भजन प्रस्तुतियां भी देंगे। यह जानकारी देते हुए ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भंडारे व प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा।

रक्तदाताओं को सम्मानित करेंगी राज्यसभा सदस्या किरण चौधरी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 03 मई। राज्यसभा सदस्या किरण चौधरी 5 मई, सोमवार को केंद्रीय ऊर्जा, शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर के रक्तदाताओं को सम्मानित करेंगी व मंडल भाजपा कार्यकताओं की बैठक तथा अनाज मंडी स्थित फसल खरीद केंद्र का दौरा कर जायजा लेगी। यह जानकारी देते हुए भाजपा नेता जयचंद चैहडिया व पूर्व पुलिस अधिकारी दिलीप सिंह सिरसी ने बताया कि किरण चौधरी 5 मई को पार्टी कार्यकताओं द्वारा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के जन्म दिन के उपलक्ष्य में आयोजित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), बहल के मेगा रक्तदान शिविर के रक्तदाताओं को बैज व प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करेंगी।

तत्पश्चात अनाज मंडी परिसर में कार्यकताओं की बैठक को संबोधित कर जन समस्याएं सुनेंगी। साथ ही मंडी में जारी फसल खरीद केंद्र का निरीक्षण कर किसानों से रूबरू होंगी।

गोपाल ने राजगढ़ में खोला अपना 22वां स्वीट शॉप एवं रेस्टोरेंट

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

राजगढ़, 03 मई। गोपाल ने अपने नए शुभारंभ करने से पहले बुधवार को कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में 22 अप्रैल 2025 मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मृत पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। सभी ने दो मिनट का मौन रख, दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

पिछले 6 दशक से मिठाईयों और स्नैक्स में अपनी एक विशेष पहचान बना चुके गोपाल ने खाने पीने के शौकीन लोगों की सेवा करते हुए नए आउटलेट की शुरूआत की है। यह नया रेस्टोरेंट आउटलेट कुराली में खुला है और यह गोपाल का 22वां आउटलेट है। नए खुले इस स्वीट शॉप एवं रेस्टोरेंट का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर लाल सिंह ने किया। इस अवसर पर गोपाल परिवार प्रबंधन और अन्य लोग उपस्थित थे।

उद्घघाटन अवसर बात करते हुए गोपाल परिवार ने कहा, "हम राजगढ़ में अपने नवीनतम स्वीट शॉप एवं रेस्तरां के लॉन्च की घोषणा करते हुए उत्साहित और प्रसन्न हैं। जिससे राजगढ़ में हमारी विरासत और उपस्थिति का विस्तार

होगा। उन्होंने कहा कि यह लोगों का गोपाल के प्रोडक्ट्स के स्वाद पर भरोसा और प्यार है, जो हमारे विस्तार का आधार बना है। उनकी हमारे प्रोडक्ट्स के प्रति विश्वनीयता और पसंद हमे आगे बढ़ने के प्रोत्साहित करती रहती है। उन्होंने आगे कहा कि यह आउटलेट भारतीय मिठाइयों और स्नैक्स की हमारी स्वादिष्ट रेंज परोसेगा, जिनमें से प्रत्येक प्रामाणिक भारतीय स्वादों का एक शानदार मिश्रण है।

हम मेहमानों का स्वागत करने और उन्हें हमारे स्वादिष्ट व्यंजनों से आर्नदित करने के लिए उत्सुक हैं।

मजेदार स्वाद और बेहतरीन सेवा हमारे मेहमानों का इंतजार कर रही है, जो एक यादगार भोजन अनुभव सुनिश्चित करती है।"

प्रबंधन टीम के अनुसार फिटनेस फ्रीक और डायबिटिक पेशेंट्स के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखते हुए गोपाल की तरफ से स्वास्थ्य वर्धक(हैल्दीयर) शुगर फ्री स्वीट्स पर पूरा फोकस कर रहा है।

इस क्रम में शुगर फ्री काजू बर्फी, खजूर बर्फी, अंजीर बर्फी और बेसन बर्फी सहित अन्य कई मिठाईयां हैं। सर्दियों के मौसम में गोपाल इसी दिशा में गूड की स्वीट्स पर भी फोकस करेगा और गूड की मिठाईयां पेश करेगा।

2038 अभ्यर्थी आज देंगे नीट परीक्षा, प्रशासन ने बनाए 5 सेंटर, लागू की धारा 163

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। जिला में नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए जिला में पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन सेंटरों पर आगामी 4 मई को 2038 अभ्यर्थी नीट परीक्षा देंगे। इसे देखते हुए प्रशासन ने जिला में धारा 163 लागू कर दी है। इसके अनुसार सेंटरों के 200 मीटर के दायरे में हथियार लेकर जाना, बिना पहचान पत्र के किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

नीट परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक रहेगा और दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए यह समय 2 बजे से 6 बजे तक निर्धारित किया है। वहीं परीक्षा केंद्रों के 500 मीटर के दायरे में फोटोस्टेट की दुकानें और कोचिंग सेंटर भी बंद रहेंगे। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में वाहन पार्किंग पर भी प्रतिबंध रहेगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर सभी प्रकार के डिवाइस गैजेट, मोबाइल फोन आदि के इस्तेमाल पर भी पाबंदी रहेगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में लाउडस्पीकर के प्रयोग की भी अनुमति नहीं होगी। आदेश की अवहेलना करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 4 मई को परीक्षा समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। बताया जा रहा है कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा, राजकीय नेशनल कॉलेज सिरसा, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय प्रथम व द्वितीय तथा राजकीय महिला कॉलेज सिरसा में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसके चलते शनिवार को यहां कक्षाएं स्थगित रही। सिरसा के एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि परीक्षा समाप्ति तक कोई भी पुलिस कर्मचारी-अधिकारी अपने ड्यूटी स्थान को नहीं छोडेंगे यदि कोई कर्मचारी ड्यूटी के दौरान नदारद पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देश की आजादी, प्रगति में पत्रकारों का अहम योगदान: ढिढारिया

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नाथूसरी कला में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय प्रेस दिवस पर सेमिनार हुआ।

कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी सतवीर सिंह ढिढारिया ने कहा कि भारत में प्रेस की स्वतंत्रता भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से सुनिश्चित होती है। विश्व स्तर पर प्रेस की आजादी को सम्मान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया, जिसे विश्व प्रेस दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यूनेस्को द्वारा 1997 से हर साल 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर गिलेरमो कानो वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम प्राइज भी दिया जाता है। यह पुरस्कार उस व्यक्ति अथवा संस्थान को दिया जाता है, जिसने प्रेस की स्वतंत्रता के लिए उल्लेखनीय कार्य किया हो। विद्यालय प्रभारी राजेश लाखलान और निफा हरियाणा महासचिव दलबीर सिंह ने कहा कि दुनिया के किसी भी देश के उदय और उसकी प्रगति में पत्रकारों की अहम भूमिका रही है। भारत की आजादी के वक्त भी पत्रकारों ने महत्वपूर्ण किरदार अदा किया है, जिसे आज भी भुलाया नहीं जा सकता। विद्यालय की साइंस एवं आर्ट्स की लगभग 15 गांव की लड़कियों ने अपने विचार सांझा किए। छात्रा आरुषि, भावना, बबीता, पूनम, चंचल, करीना आदि छात्राओं ने मीडिया के अभिव्यक्ति और माध्यम आदि विषय पर अपने विचार सांझा किए तथा अपना कैरियर मीडिया में बनाने में विशेष रुचि दिखाई। इस अवसर पर प्रवक्ता छिंद्रपाल कंबोज, सोहन सिंह, सतवीर सिंह, संदीप जाखड़, दलबीर सिंह, अजय कुमार, सरिता चौधरी, गीता, पिंकी राजपूत, रितु वर्मा, बिशनलाल, लीलाधर बैनीवाल सहित विद्यालय की छात्राएं मौजूद थी।

नहरों में भाखड़ा का पानी बंद, गांवों में पानी की किल्लत

- गांववासी टैंकर मंगवाने को मजबूर- कई जगह पानी सप्लाई का शेड्यूल जारी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 मई। जिला की नहरों में भाखड़ा से पेयजल सप्लाई के लिए छोड़ा गया पानी बंद हो गया है। अब 20 मई तक नहर बंदी रहेगी। इससे पहले नहरी पानी की कोई उम्मीद नहीं है। ऐसे में सिरसा में पेयजल के संकट होगा। आलम है कि इस बार लोगों को न पेयजल सप्लाई के लिए पूरा पानी मिला तो न ही सिंचाई के लिए। सभी हताश है। नहरों की टेल वाले गांव में हालात ज्यादा खराब है। कारण है कि टेलों तक पानी बहुत कम पहुंचा है। इस कारण वहां के जलघर के टैंक भी खाली है। ग्रामीण नहरों या जलघरों से सीधा ट्रैक्टर-टैंकर लेकर पानी भर रहे हैं। मगर इसका भी ग्रामीणों ने विरोध किया तो टैंकर वापिस जलघरों में खाली करवा दिए गए। सिंचाई विभाग से एक्सईएन संदीप शर्मा ने बताया कि नहरों में भाखड़ा का पानी बंद हो गया है। जो पानी जलघरों के टैंक में डाला गया है, उसी से पेयजल सप्लाई सुचारू रखनी पड़ेगी। पानी बचत को हर संभव कदम उठाया जाएगा।

सैक्टरवासियों की भी बढ़ेगी मुश्किलः

शहर में पेयजल सप्लाई के लिए सेक्टरों एवं अन्य रिहायशी इलाकों का शेड्यूल बना दिया गया है। कारण है कि चतरगढ़ पट्टी एवं हुडा और लघुसचिवालय जलघर के टैंक खाली पड़े हैं। इसलिए पानी की बचत को सप्लाई कम करके एक समय ही दी जाएगी। इससे लोगों की मुश्किल बढ़ेगी। आमजन को भी पानी की बचत के लिए विशेष कदम उठाने होंगे। वरना पेयजल के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अब नहरों में 21 मई को पानी आएगा। इसके बाद ही जलघरों को पूरी तरह से भरा जाएगा। वहीं ऐलनाबाद में नहर बंदी से एक दिन पहले पानी छोड़ा गया था, जिससे वहां पर पानी की ज्यादा समस्या है।

ये हैं अब नया शैडयूलः

भूषण शाह चौक से हिसार रोड व बरनाला रोड सुबह चार से सात बजे, शक्ति नगर क्षेत्र में सुबह सात से आठ बजे तक, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी एवं अग्रवाल कॉलोनी में सुबह 8 बजे 10 बजे तक, बाटा कॉलोनी क्षेत्र में शाम 4 बजे से पांच बजे तक पानी की सप्लाई होगी।

गांववासी टैंकर मंगवाने को मजबूरः

पानी की किल्लत का आलम यह है कि अभी भी गांव में लोग पानी के टैंकर मंगवा रहे हैं, क्योंकि जलघर के टैंक खाली है और सप्लाई कम आ रही है। इस कारण लोग टैंकर के जरिए अपने घरों में पानी की डिग्गी को भर रहे हैं, ताकि बाद में पीने के पानी की दिक्कत न हो। कई गांव में पानी की किल्लत बनी गई है।

जिला को मिला कम पानीः

उल्लेखनीय है कि इस बार भाखड़ा से सिरसा नहरों को 2800 के बजाय 1800 क्यूसेक पानी ही मिला है। भाखड़ा से होकर सिरसा में पांच मुख्य नहरें आती है। इन नहरों से छोटी-बड़ी कुल 149 माइनर या कनाल आगे से आगे विभाजित होती जाती है। करीब 119 माइनर या कनाल में पानी भाखड़ा का आता है। इन नहरों का कुल पानी 2800 क्यूसेक है, जो आपूर्ति होती है। मगर इस समय मात्र 1800 क्यूसेक पानी ही पंजाब से मिल रहा है।

हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे भजन पर झूमे श्रद्धालु

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। इस्कॉन के गुरु महाराज गोपाल कृष्ण गोस्वामीजी के अति प्रिय शिष्य इस्कॉन मंदिर द्वारका, दिल्ली के प्रचारक अमल कृष्ण प्रभु जी के साथ आये उनके आश्रय के 175 भक्तों ने कुरुक्षेत्र के विभिन्न तीर्थ स्थलों व मंदिरों में कथा श्रवण व संकीर्तन कर महामंत्र हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे की मधुर धुन पर भाव विह्वल हो कर निरंतर घंटों नृत्य कर सनातन धर्म का प्रचार किया। शुक्रवार सुबह गीताज्ञान संस्थानम् के सेमिनार हाल में कथाव्यास अमल कृष्ण प्रभु जी ने कुरुक्षेत्र महात्म्य कथा में उपस्थित भक्तों को सृष्टि की उत्पत्ति और कुरुक्षेत्र के उद्भव एवं आध्यात्मिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भगवद् गीता में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र इसलिए कहा गया है क्योंकि यहां पर धर्म की खेती होती है। उन्होंने कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, गीता उपदेश स्थली ज्योतिसर, भीष्म कुंड नरकातारी, श्री व्यास गौड़ीय मठ, श्री कृष्ण अर्जुन मंदिर सहित कई अन्य प्राचीन तीर्थों व मंदिरों के इतिहास व महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया। उसके पश्चात सभी भक्तों द्वारा पवित्र ब्रह्म सरोवर में स्नान के बाद प्रभुजी ने आरती स्थल व रथ के निकट महामंत्र संकीर्तन किया। संकीर्तन पर नृत्य करते हुए इस्कॉन के भक्तों ने वहां उपस्थित अन्य सभी पर्यटकों को भी मुग्ध होकर कर लगातार घंटों झूम-झूमकर नृत्य करने के लिये प्रेरित कर दिया। रविवार को प्रातः 5 से 7 बजे तक प्रभुजी के पिता समाजसेवी गुलशन ग्रोवर एवं माता सविता कुमारी के अनुरोध पर प्रभुजी के सेक्टर 13 स्थित निवास पर सभी भक्त एकत्र होकर प्रभु नाम संकीर्तन करेंगे।

परंपरागत खेती बनी घाटे का सौदा, कुदरत और व्यवस्था की मार के चलते किसान दुविधा में

प्रतिवर्ष फसल उत्पादन में कमी के चलते डगमगा रहा किसानों का आत्मविश्वास

अमित वालिया,लोहारू

कभी बरसात तो कभी ओलावृष्टि, कभी सूखा तो कभी पाला पड़ने से परंपरागत खेती अब किसानों के लिए घाटे का सौदा बनती जा रही है। प्रकृति की मार के चलते होने वाले नुकसान की उचित भरपाई न होने के कारण किसान दुविधा में नजर आ रहे है। आज किसानों के पास जमीनें नाममात्र की ही रह गई हैं, कृषि की लागत कई गुना बढ़ गई है तथा महंगाई के दौर में घर की जरूरतें पूरा करना आसान काम नहीं रह गया है। कहने को तो किसानों को नाममात्र के ब्याज पर आसानी से कर्ज मिल जाता है मगर हकीकत ठीक इसके उलट है। किसानों को ऋण लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, और घूस देनी पड़ती है। किसान कर्ज के बोझ तले निरंतर दबता चला जा रहा है। गौरतलब होगा कि राजस्थान सीमा से सटा और अर्ध मरुस्थलीय विशेषताओं से युक्त लोहारू व सतनाली क्षेत्र कम वर्षा वाले क्षेत्रों में आता है। क्षेत्र की अधिकांश खेती वर्षा पर ही निर्भर है क्योंकि यहां नहरें होने के बावजूद उनमें पानी की बूंद नाममात्र ही आती है। मानसून की अनिश्चितता के कारण हर साल यहां उत्पादन में हो रही कमी के चलते लोहारू व सतनाली क्षेत्र को अत्यंत पिछड़ा क्षेत्र भी कहा जाने लगा है। बुजुर्ग बताते हैं कि विक्रमी संवत 1956 में इस क्षेत्र में इतना भयानक अकाल पड़ा था कि लोगों ने पेड़ों की छाल खा कर खुद को जिंदा रखा था। इतनी विकट परिस्थितियों के बावजूद यहां के किसानों ने कभी हार नहीं मानी। परंतु वर्तमान में फसल उत्पादन में कमी के चलते डगमगाते आत्मविश्वास के कारण किसान दुविधा में है। बुजुर्ग किसान रामकुमार सिंह ने बताया कि प्राचीन समय में हालात चाहे कितने भी बुरे रहे हो परंतु उस वक्त कृषि की लागत न के बराबर थी।

लोगों के पास जमीन पर्याप्त थी, जीवन यापन के खर्चे कम थे, मकान बनाने के लिए चूने के पत्थर किसान खुद निकालते थे, चूना तैयार करते थे, चरखा कातते थे, काफी संख्या में पशु पालते थे और हर मामले में आत्मनिर्भर थे। पिछले कुछ वर्षो से रबी और खरीफ सीजन के लगातार आपदाओं की चपेट में आ जाने के कारण किसानों की हालत काफी दयनीय हो चुकी है। सरकार के तमाम दावें और निदेर्शों के बावजूद आज भी आपदा प्रभावित फसलों की विशेष गिरदावरी की वही पुरानी परिपाटी कायम है। अधिकारियों का रवैया किसानों के प्रति असंवेदशील ही रहा है। सारा साल धरतीपुत्र अपना काम छोडकर कभी खाद, कभी बिजली तो कभी अनाज बेचने के लिए धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी में ही लगे रहते हैं। अगर सरकार ने कृषि व किसानों की दशा सुधारने के लिए गंभीरता से कोई कदम नहीं उठाए तो जिंदगी से हारने का किसानों का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह कहीं हमारे माथे का बदनुमा दाग न बन जाए।

नवाब जस्सा सिंह अहलूवालिया की जयंती मनाई

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। नवाब जस्सा सिंह अहलूवालिया की 307वीं जयंती पर अहलूवालिया समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने माल्यार्पण कर उनका जन्म दिवस मनाया। इस अवसर पर अहलूवालिया सभा के प्रधान नरेंद्र वालिया ने कहा कि बाबा जस्सा सिंह अहलूवालिया जी की जयंती 3 मई एक प्रेरणादायक दिन है। इस दिन को स्वर्णिम दिन के तौर पर हमें मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्वजों का जन्मदिन मनाना बीते दिनों की स्मृतियों का दिन होता है

साथ ही उनके द्वारा समाज को दिए योगदान की कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर होता है। उनके दिए संस्कार हमें राष्ट्र व समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने को लेकर प्रेरित करते है। इस अवसर पर अहलूवालिया सभा के संरक्षक राजेंद्र वालिया, वीरेंद्र वालिया, प्रदीप वालिया, सुरेंद्र वालिया, प्रवीण वालिया, विजेंद्र वालिया, प्रदीप रोशा, अनिरुद्ध वालिया, सतीश वालिया, जगदीश वालिया, सुभाष वालिया, धनंजय रोशा, सतपाल वालिया, रणधीर वालिया, वीरेंद्र वालिया, गौरव वालिया, माधव वालिया, राधव वालिया ने माल्यार्पण कर बाबा जस्सा सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प किया।

विश्व मातृ दिवस पर दो दिवसीय नि:शुल्क नशा मुक्त मेडिसन कैंप का आयोजन किया जाएगा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 03 मई। विश्व मातृ दिवस के अवसर पर दो दिवसीय नि:शुल्क नशा मुक्त मेडिसन कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए केंद्र की संचालिका बीके शंकुतला ने बताया कि नशा मुक्ति मेडिसन कैंप 10 व 11 मई को स्थानीय प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र पर आयोजित किया जाएगा। नशा मुक्ति मेडिसिन कैंप का शुभारंभ व उद्घाटन मुख्यातिथि जय भगवान उप पुलिस अधीक्षक, सिवानी करेंगे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर कस्बे के सरपंच साधुराम पनिहार होंगे। उन्होंने बताया कि नशा मुक्ति मेडिसन कैंप में बीके डा.रामकुमार, पानीपत 10 और 11 मई को सुबह 11 से बाद दोपहर 1 बजे प्रतिदिन अपनी सेवाएं देंगे।

नशा रोको अभियान को भूलकर हरियाणा का पानी रोको अभियान चला रही है पंजाब सरकार: सोमवीर सिंह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 03 मई। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार अपनी विफलता को छिपाने के लिए पानी का मुद्दा बना रही है। यह बात कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक चौधरी सोमवीर सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि जब हरियाणा व पंजाब अलग-अलग हुए थे तब से हरियाणा के हिस्से का पानी हरियाणा को मिलता है। इसके बाद एसवाईएल का पानी भी मिलना है जो कि पंजाब द्वारा रोका हुआ है। अब भाखड़ा के पानी में कटौती करने की बात पंजाब के मुख्यमंत्री कह रहे हैं जो बिल्कुल गलत है। हरियाणा अपने हक का पानी लेकर रहेगा। प्रदेश को पहले ही अपने हिस्से से पानी कम मिल रहा है। इस मुद्दे पर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सख्त संज्ञान लेना चाहिए ताकि प्रदेश की जनता को उसके हिस्से का पानी बराबर मिलता रहे। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार हर तरफ से फेल हुई है। नशा रोको अभियान को भूलकर अब हरियाणा का पानी रोको अभियान शुरू कर रही है। पंजाब सरकार बेरोजगारी, महंगाई, नशा तस्करी पर रोक न लगाकर पानी रोकने का काम कर रही है जो कि गलत है।

संपादक की कलम से

राजनैतिक हिसाब-किताब फिर कभी, अभी एकजुटता दिखाने की जरूरत

अब भाजपा नेतृत्व को भी अपने नेताओं, कार्यकताओं को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए। राजनैतिक हिसाब-किताब के लिए काफी वक्त मिल जाएगा, लेकिन ये समय देश के लिए एकजुट होकर खड़े रहने का है। समाज के बाकी तबकों को भी इस पर विचार करना चाहिए कि नफरत और हिंसा की घटनाओं को आखिर कैसे रोका जा सकता है।

उत्तराखंड के मसूरी में कश्मीरी शॉल बेचने वाले दो लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें चले जाने कहा गया, इस घटना का वीडियो बनाया गया, जिसमें पीड़ितों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस घटना के बाद कम से कम 16 कश्मीरी शॉल विक्रेता मसूरी छोड़ कर चले गए, जबकि वे बरसों से यहां थे।....

'ये विश्व पाकिस्तान का नहीं है। पाकिस्तान के एजेंट इसी चौराहे पर खड़े होकर सुन रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि 'अब तुम भोपाल में हंगामा करके दिखाओ। आरिफ मसूद, चोर और उसके साथी जो हमारे धर्म का विरोध करते हैं, उन्हें हम नहीं छोड़ेंगेज यहीं पर निपट लेंगे।'... ये बयान मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति के सदस्य कृष्णा घाडगे ने दिया। जिन आरिफ मसूद का जिक्र उन्होंने किया, वे कांग्रेस के विधायक हैं। हालांकि श्री घाडगे का कहना है कि उनकी रैली पाकिस्तान के खिलाफ थी और मसूद के फैन क्लब ने उनके बारे में झूठी शिकायत दर्ज कराई है।...

मंगलुरु में एक क्रिकेट मैच के दौरान 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के कथित नारे लगाने पर 25 से अधिक लोगों के एक समूह ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी...। 27 अप्रैल को दिन के करीब 3 बजे यह घटना हुई, जिसमें भीड़ लाठियों से पीड़ित को पीटती रही और उसे मार डाला गया...।

प.बंगाल में एक शहर में व्यस्त मार्ग पर पाकिस्तान के झंडे का स्टीकर चिपकाया गया, ताकि राहगीरों के पैर उस पर पड़ते रहे...कुछ जगहों पर पाकिस्तनी झंडे को जलाने की कोशिश भी की गई...।

अलीगढ़ में सड़क पर पाकिस्तान का झंडा पड़ा देख 9वीं कक्षा के एक छात्र ने उसे हटाने के लिए उठाया, इस पर वहां मौजूद हिंदूवादी संगठन के कुछ कार्यकताओं ने छात्र को पकड़ लिया, छात्र पर आरोप लगे कि वो झंडे की 'हिफाजत' कर रहा है, उसने रोते हुए माफी मांगी और कहा कि वो ऐसा कुछ नहीं कर रहा था, लेकिन उस छात्र को आतंकवादी कहते हुए उससे पाकिस्तान के झंडे पर कील ठुकवाई गई और फिर पेशाब भी करवाई गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया गया है। ...

उपरोक्त तमाम दृष्टांत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद के हैं, जिसमें पाकिस्तान से बदला लेने को तत्पर देशभक्त नागरिक अपने ही साथी नागरिकों को प्रताड़ित कर रहे हैं। इस प्रताड़ना का सबसे बड़ा आधार यही है कि पीड़ित व्यक्ति मुस्लिम है। देश में अल्पसंख्यकों पर इस किस्म के अत्याचार पहली बार नहीं हुए हैं।

लेकिन ऐसी घटनाओं का बार-बार होना और खासकर संवेदनशील वक्त में इनकी आवृत्ति बढ़ना न केवल देश की एकता के लिए खतरनाक है, बल्कि इस लिहाज से भी चिंताजनक है कि हम किस कदर कुंठाग्रस्त और हिंसक मनोवृत्ति वाले समाज में तब्दील हो चुके हैं। एक निर्वाचित विधायक से लेकर 9वीं कक्षा के छात्र तक किसी को भी हिंसा का डर दिखाया जा रहा है, तो क्या ये सभ्य समाज की निशानी मानी जाएगी। 9वीं कक्षा के छात्र से पाक झंडे पर पेशाब करवा कर और उसका वीडियो बनाकर क्या देशभक्ति का सबूत जुटाया जा रहा है।

वह किशोर बच्चा इस मानसिक यंत्रणा के बाद क्या लंबे वक्त तक सामान्य हो पाएगा। चंद उन्मादी लोगों ने उसे जीवन भर का दाग दे दिया है, जिसे न जाने कैसे मिटाया जा सकेगा।

पाकिस्तान के झंडे को कुचलकर या उसे उठाने वाले को सजा देकर या कश्मीर में हुए आतंकी हमले का बदला कश्मीरी लोगों पर उतारकर हम अपने मानसिक दिवालिएपन का नमूना दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं, ये बात इस समय उग्र राष्ट्रवाद से ग्रस्त लोगों को समझ नहीं आएगी, और जब तक आएगी, तब तक शायद देर हो चुकी होगी।

इन घटनाओं के बीच एक घटना का वीडियो और सामने आया है, जिसमें दिल्ली के एक भाजपा नेता के घर एसी सर्विस करने आए दो लोगों को केवल इसलिए लौटा दिया गया क्योंकि वे मुसलमान हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घर के दरवाजे पर खड़े दो व्यक्तियों से कहा जा रहा है कि तुम चले जाओ हम मुसलमानों से काम नहीं कराते, अपनी कंपनी से कहो किसी हिंदू को भेजें।

पहले भी कई गिग वर्कर्स के साथ धर्म के आधार पर ऐसा अपमानजनक व्यवहार हो चुका है, लेकिन अब अपमान करने के साथ-साथ उनका वीडियो बनाकर डालना समाज में यह संदेश फैलाने की कोशिश करना है कि यह देश अल्पसंख्यकों का नहीं है और अगर उन्हें यहां रहना है तो इसी तरह डर कर, अपमानित होकर रहना पड़ेगा। यह कोई अच्छी स्थिति नहीं है। मगर अपनी राजनीतिक जमीन पुख्ता करने के लिए शायद यही अच्छी स्थिति है।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

- ललित गर्ग-

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

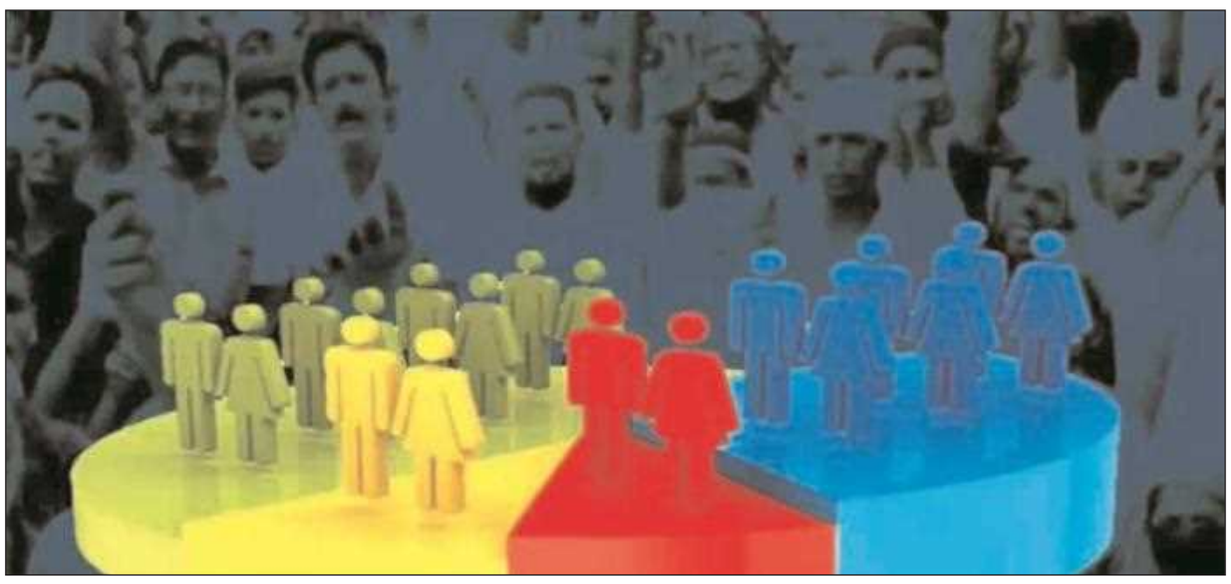

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरूआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन- 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गमार्या जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।

भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवदेनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रस्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवतः भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो खत्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये कदम उठाया है। भाजपा इसके खिलाफ थी, उसने जातिगत जनगणना को देश को बांटने की कोशिश करने वाला बताया था। लेकिन एनडीए में शामिल भाजपा की ज्यादातर सहयोगी पार्टियां इसके पक्ष में हैं।

जातिगत जनगणना के आंकड़े 2026 या 2027 के अंत में आएंगे और तब तक बिहार और यूपी के चुनाव हो चुके होंगे। इसलिए इसका चुनावी लाभ लेने की बात सही नहीं है। वैसे भी भाजपा ने हाल के वर्षों में पिछड़ों और दलितों समुदाय को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की है। भाजपा इस जातिगत गणना से ये भी दिखाना चाहती है कि पिछड़ों के एक-आध समुदाय को छोड़ दें तो ओबीसी समुदाय का बड़ा हिस्सा उसके साथ है। वैसे तो विभिन्न राजनीतिक दल अमुक-अमुक जातियों का नेतृत्व करने के लिए केवल जाने ही नहीं जाते, बल्कि ऐसा दावा भी करते हैं। इसलिये जाति आधारित जनगणना का लाभ है तो हानि भी है। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जातिगत जनगणना वंचितों-पिछड़ों के उत्थान में सहायक बने, लेकिन यदि वह विभाजन को बल देती है और देश की एकजुटता प्रभावित करती है तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं होगा। जनगणना के आंकड़े सरकार और जनता के लिए खुले और पारदर्शी होने चाहिए, ताकि सामाजिक संबंधों, आर्थिक अवसरों और राजनीतिक गतिशीलता की नई एवं समानतामूलक दिशाएं उद्घाटित हो सके और भारतीय समाज की विविधता की एक व्यापक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत की जा सके। कोई भी आंकड़ा तभी सराहनीय है, जब उससे विकास तेज करने में मदद मिलती हो, एक समतामूलक एवं संतुलित समाज की संरचना को बल मिलता हो।

प्रेषकः
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन,

क्या मोदी पाकिस्तान के खिलाफ अमेरिका की दोस्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं

– नित्य चक्रवर्ती

भारत के लिए, सबसे तात्कालिक मुद्दा यह है कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी 22 अप्रैल को ट्रम्प के 100 दिन पूरे होने से ठीक सात दिन पहले हुए पहलगाम नरसंहार पर जवाबी कार्रवाई के रूप में पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो ट्रम्प क्या निर्णय लेंगे। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि, सभी देशों ने पहलगाम नरसंहार की कड़ी निंदा की है ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने 29 अप्रैल, मंगलवार को अपने दूसरे गैर-लगातार कार्यकाल में अपने पहले 100 दिन पूरे कर लिए हैं, जबकि उनकी अव्यवस्थित नीतियों के कारण वैश्विक अव्यवस्था जारी है। एकतरफा टैरिफ वृद्धि, गाजा में शांति स्थापित करने में विफलता, इजरायल द्वारा हत्याओं का सिलसिला भी जारी है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी ट्रम्प के खुद के कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में आयी उथल-पुथल के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई है।

ट्रम्प प्रशासन के पहले 100 दिनों में टैरिफ नीति के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में कई उतार-चढ़ाव देखे गये। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध में चीन के साथ अपनी लड़ाई में ट्रंप ने पहले कदम बढ़ाया है, लेकिन अभी तक चीन ने आधिकारिक तौर पर वार्ता के लिए प्रतिनिधि नहीं भेजे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रति ट्रंप का रुख अब नरम है। ट्रंप के सलाहकारों को उम्मीद है कि जुलाई के पहले सप्ताह में समाप्त होने वाली 90-दिवसीय विराम अवधि के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के लिए पचास से अधिक देशों की सहमति मिल जायेगी। अब तक कुल 180 व्यापार भागीदारों में से 21 देश व्यापार शर्तों पर बातचीत करने के लिए सहमत हो गये हैं।

अमेरिकी लोग ट्रंप के आखिरी 100 दिनों को किस तरह देख रहे हैं? न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और शिकागो सहित अमेरिका के प्रमुख शहरों में ट्रंप की मगानीतियों और अंधाधुंध निर्वासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। खास बात यह थी कि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों में कोई भूमिका नहीं थी। ट्रेड यूनियनों और महिला संगठनों सहित विभिन्न हित समूहों ने इसमें अग्रणी भूमिका निभायी।

ट्रंप के लिए बेचैन करने वाला पहलू यह है कि हाल के जनमत सर्वेक्षणों में ट्रंप की स्वीकृति रेटिंग 39 से 44 प्रतिशत के बीच दर्ज की गयी, जो अमेरिकी विश्लेषकों के अनुसार, 100 दिन पूरे होने के बाद अन्य राष्ट्रपतियों की तुलना में सबसे कम थी। जो बाइडेन 54 प्रतिशत और बराक ओबामा 62 प्रतिशत पर थे। 100 दिनों के बाद उनकी रेटिंग में यह गिरावट बढ़ सकती है, अगर वे इस साल जुलाई के बाद अपनी व्यापार कूटनीति में सफलता प्राप्त कर सकें और अमेरिकी लोगों और व्यापारिक साझेदारों को यह साबित कर सकें कि अमेरिका के समर्थन के बिना कोई भी देश वैश्विक व्यापार में समृद्ध नहीं हो सकता।

अमेरिकी लोगों ने यह भी देखा है कि वे एकमात्र राष्ट्रपति हैं जिन्होंने गाजा और यूक्रेन में युद्धविराम लाने का काम तुरंत शुरू किया। यह एक नाजुक और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन ट्रम्प युद्धविराम की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए रूसी और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों को एक शिखर सम्मेलन में लाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प 9 मई को मास्को में विजय दिवस समारोह में भाग लेने वाले हैं। ट्रम्प और पुतिन दोनों यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के बारे में अधिक बात कर सकते हैं, जबकि यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्रपति जेलेंस्की को रूस के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए उकसा रहे हैं।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

- ललित गर्ग-

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धमार्चार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह

वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा ह्यमाँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।ह्न इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य ह्यअहं ब्रह्मस्मिह्न है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य ह्यअयमात्मा ब्रह्मह्न है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य ह्यतत्वमसिह्न है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य ह्यप्रज्ञान ब्रह्मह्न है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है।

जिस युग में आदि शंकराचार्य ने जन्म लिया उस समय देशी-विदेशी प्रभावों के दबाव में भारतीय संस्कृति संक्रमण के दौर से गुजर रही थी और उसका पतन आरंभ हो गया था। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यआदि शंकर जन्म भूमि क्षेत्रमह्न में प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां संत-दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा हमारी संस्कृति की रक्षा में दिए योगदान की ऋणी रहेंगी। उन्होंने भारत के हर कोने में वेद-वेदांत का प्रसार कर सनातन परंपरा को सशक्त एवं सुदृढ़ किया।

गर्मियों में छोटे बच्चे को हो सकती है हीट रैश की समस्या,जानें लक्षण और बचाव के तरीके

बढ़ते तापमान और तेज गर्मी के कारण बच्चों को स्किन पर रैश यानी चकत्ते निकल जाते हैं. कुछ मामलों में माता- पिता इनको देखकर घबरा जाते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये गर्मियों में होने वाली एक आम समस्या है. जिसको लेकर घबराना नहीं चाहिए. गर्मियों में स्किन के छिद्र बंद हो जाते हैं, इससे पसीन स्किन के अंदर ही रह जाता है और इससे स्किन पर चकत्ते निकलने लगते हैं. गर्म वातावरण में बच्चों की स्किन पर हीट रैश होने की संभावना अधिक होती है.

हीट रैश होने के बाद बच्चों की स्किन पर लाल चकत्ते या छोटे दाने दिखाई दे सकते हैं. स्किन पर जलन या खुजली होने लगती है और बच्चों को ज्यादा पसीना आता है. अगर आपको अपने बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो इनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. क्योंकि ये समस्या फिर पूरे शरीर में भी हो सकती है. इससे बार-बार खुजली और दूसरे तरह के फंगल इंफेक्शन का भी खतरा रहता है. हीट रैश में फोड़े-फुंसी हो सकते हैं, जिससे दर्द और परेशानी बढ़ सकती है. कुछ मामलों में एक्जिमा, डमेटाइटिस आदि हो सकती हैं. ये सेप्सिस और बैक्टीरियल संक्रमण का भी कारण बन सकता है. ऐसे में हीट रैश की समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

हीट रैश से बचाव के तरीके क्या हैं?

बच्चे को ठंडे और सूखे वातावरण में रखें. कोशिश करें कि तेज धूप में बच्चे को बाहर लेकर न जाएं.

-बच्चों को हल्के और ढीले कपड़े पहनाएं. उनको सूती कपड़े पहनाएं तो बेहतर रहेगा

-बच्चे को नियमित रूप से नहलाएं और साफ- सफाई का ध्यान रखें. शरीर साफ रहेगा तो इंफेक्शन का रिस्क भी कम होगा

-बच्चों को पर्याप्त पानी पिलाएं इसके शरीर हाइड्रेट रहेगा

हीट रैश का इलाज क्या है

-बच्चे को ठंडे पानी से नहलाएं

-कैलामाइन लोशन का उपयोग करें

-अगर इन तरीकों से भी हीट रैश खत्म नहीं हो रहे हैं तो आप डॉक्टरों से सलाह लें.

-डॉक्टर कुछ दवाओं के माध्यम से इस समस्या को ठीक कर सकते हैं

प्रेरणा की प्रतीक : महिला उपलब्धि सम्मान समारोह में चमकेगी नारी शक्ति

पीएनजीआई द्वारा 5वां महिला उपलब्धि सम्मान समारोह 14 मई को। नारी केवल प्रेरणा नहीं, परिवर्तन की वाहक भी है : विनोद बापना

जतिन/राजा

गुरूग्राम, 03 मई। समाज में महिलाओं की भूमिका आज केवल सीमित दायरे तक नहीं रही। हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी प्रतिभा, मेहनत एवं समर्पण से एक नई पहचान बना रही है तथा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर देश को गौरवांवित कर अन्य महिलाओं को भी चूल्हे-चौके की दौड़ से बाहर निकलकर अपनी सपनों की उड़ान भरकर सफलता के आसमान को छूने के लिए प्रेरित कर रही है। इसी प्रेरणा को समर्पित करते हुए पीएनजीआई द्वारा 5वां महिला उपलब्धि सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए पीएनजीआई व सीआईआई गुरूग्राम जोन के चेयरमैन विनोद बापना ने बताया कि 5वां महिला उपलब्धि सम्मान समारोह 14 मई को गुरूग्राम के नजदीक स्थित लिंगाया लालिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साईंस (एलडीआईएमएस) में किया जाएगा। जिसमें ना केवल गुरूग्राम, बल्कि देश भर से विभिन्न क्षेत्रों में बतौर मुख्यअतिथि मुंजाल शोवा लिमिटेड के फाऊंडर एंड एमडी योगेश मुंजाल, अति विशिष्ट अतिथि अर्जुन अवॉर्डी एसएसओ नेहा राठी तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर एएसके ऑटोमोटिव ग्रुप अध्यक्षा एवं सीएचआरओ ईभा लाल, रीजनल पीएफ कमीश्नर गुरूग्राम वेस्ट विक्रम सिंह व वॉटरमार्क एसोसिएट डायरेक्टर ऑफ प्यूपल जलाज शर्मा शिरकत करेंगे तथा

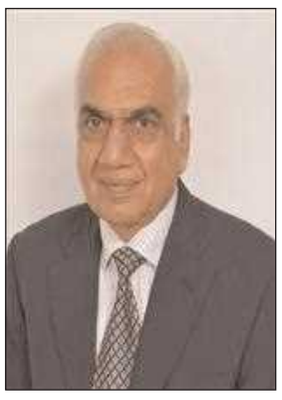

विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त महिलाओं को सम्मानित करेंगे।

चेयरमैन विनोद बापना ने कहा कि नारी केवल प्रेरणा नहीं, परिवर्तन की वाहक भी है। जिन्होंने आज विभिन्न क्षेत्रों में ना केवल शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, बल्कि उन महिलाओं के लिए भी एक प्रेरणा की ज्योत बनी है, जो कि प्रतिभावान होने के बावजूद भी दहलीज पार करने से घबराती थी। उन्होंने कहा कि इस समारोह के माध्यम से उन सभी प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया जाएगा, जो कि राष्ट्र की तरक्की में अपनी अहम भूमिका निभा रही है।

वही इस सम्मान समारोह में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचने वाले मुंजाल शोवा लिमिटेड के फाऊंडर एंड एमडी योगेश चंद्र मुंजाल ने आयोजकों की सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, यह एक मानवीय मुद्दा है। इसका मतलब है सभी के लिए समान अधिकार, अवसर और सम्मान सुनिश्चित करना।

उन्होंने कहा कि समानता एक मौलिक मानव अधिकार है। महिलाऐं शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और निर्णय लेने की समान पहुँच की हकदार हैं। इन अधिकारों को सुरक्षित कर-के, हम एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज का निर्माण करते हैं।

इस मौके पर पीएनजीआई की को-फाउंडर जोहा अशफाक अहमद व बिजनेस एडवाइजर आशु कश्यप ने कहा कि जब एक महिला को आगे बढ़? के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो वह राष्ट्र को तरक्की की तरफ अग्रसर करने के समान है। ऐसे में इस प्रकार के आयोजन महिलाओं के साथ-साथ राष्ट्र के उत्थान का भी कारक बनते है। ऐसे में इस समारोह का महत्व महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना करना है।

राज्यस्तरीय महृषि कश्यप जयंती का दिया न्यौता

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती लाडवा विधानसभा में 23 मई को मनाई जाएगी। जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य रूप से शिरकत करेंगे। शनिवार को राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती का न्योता देने के लिए कश्यप धर्मशाला कुरुक्षेत्र में विधायक एवं हरियाणा विधानसभा व्हिप चीफ रामकुमार कश्यप पहुंचे। धर्मशाला में पहुंचने में समाज के प्रधान राजबीर कश्यप, संरक्षक देशराज कश्यप सहित समाज के गणमान्य लोगों ने जोरदार स्वागत किया और विधायक एव हरियाणा विधानसभा व्हिप चीफ रामकुमार कश्यप को आश्वासन दिया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पूरा समाज रैली में पहुंचेगा। विधायक रामकुमार कश्यप ने पूरे समाज से राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती में पहुंचने का ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का आह्वान किया है। कश्यप राजपूत धर्मशाला के प्रधान राजवीर कश्यप ने कहा कि पूरे प्रदेश से इस कार्यक्रम में लाखों लोग पहुंचेंगे।

सीएमएफ फोन 2 प्रो की ओपन सेल्स 5 मई से शुरू हो रही है

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 03 मई। लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग के सब-ब्रांड सीएमएफ ने आज फ्लिपकार्ट, फ्लिपकार्ट मिनट्स, विजय सेल्स, क्रोमा और भारत के सभी प्रमुख रिटेल स्टोरों पर सीएमएफ फोन 2 प्रो के ओपन सेल की घोषणा की है, जो 5 मई दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। पहले दिन एक स्पेशल इंट्रोडक्टरी ऑफर के रूप में, फोन 2 प्रो कम से कम 16,999 रुपये (सभी ऑफर सहित) में उपलब्ध होगा। अपने सेगमेंट में सबसे बेहतरीन थ्री-कैमरा सिस्टम, शानदार ब्राइट डिस्प्ले और प्रीमियम डिजाइन के साथ सीएमएफ बाय नथिंग ने 28 अप्रैल, 2025 को फोन 2 प्रो को वैश्विक स्तर पर लॉन्च किया।

नथिंग द्वारा डिजाइन किया गया अब तक का सबसे पतला और हल्का स्मार्टफोन। 7.8 मिलीमीटर की मोटाई और मात्र 185 ग्राम वजन के साथ, सीएमएफ फोन 2 प्रो लगभग भारहीन है - सीएमएफ फोन 1 से 5% पतला। इसकी खूबसूरत बॉडी में है एल्युमिनियम कैमरा सराउंड - जो पहली पीढ़ी के डिजाइन से विकसित हुआ है। इसमें स्टेनलेस स्टील के स्क्रू हैं जो एक ऑथेंटिक नथिंग फील देते हैं जो इसके पीछे की कला को उजागर करता है। साथ ही, आईपी 54 के साथ वॉटर ड्युरबिलिटी में वृद्धि हुई - सीएमएफ फोन 1 आईपी 52 था।सीएमएफ फोन 2 प्रो में उन्नत थ्री कैमरा सिस्टम है, जिसमें 50 एमपी का मुख्य कैमरा है, जो अपने सेगमेंट में सबसे बड़ा सेंसर है और सीएमएफ फोन 1 की तुलना में 64% ज्यादा रोशनी कैप्चर करता है। अब अपनी 6वीं पीढ़ी में, नए अपग्रेड किए गए मीडिया टेक डाईमेन्सिटी 7300 प्रो 5जी प्रोसेसर में 8-कोर सीपीयू है जो 2.5 ॠल९ तक की गति पर चलता है झ जो भारी मल्टी-टास्कर्स की माँगों को पूरा करने के लिए तैयार है। सीएमएफ फोन 1 की तुलना में 10% तेज प्रोसेसिंग और ग्राफि क्स में 5% सुधार के साथ अत्याधुनिक प्रदर्शन।

उपलब्धता, मूल्य और ऑफर :

सीएमएफ फोन 2 प्रो व्हाइट, ब्लैक, ऑरंगी और लाइट ग्रीन रंग में उपलब्ध होगा

8+128 जीबी - 17,999 रुपये (बैंक या एक्सचेंज ऑफर सहित)

8+256 जीबी - 19,999 रुपये (बैंक या एक्सचेंज ऑफर सहित)

5 मई को एक विशेष इंट्रोडक्टरी ऑफर के रूप में, सीएमएफ फोन 2 प्रो 8+128 जीबी वेरिएंट के लिए 16,999 रुपये और 8+256 जीबी वेरिएंट के लिए 18,999 रुपये (सभी ऑफर सहित) में उपलब्ध होगा।

पहले दिन का एक्सचेंज ऑफर: सीएमएफ फोन 2 प्रो पर 1,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और 1,000 रुपये का बैंक ऑफर (सभी प्रमुख बैंकों पर लागू) एक साथ उपलब्ध होंगे।

गांव के विकास और सामाजिक कार्यों में साधन संपन्न तथा प्रबुद्ध लोगों को आगे आना चाहिए: डीसी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 03 मई। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि गांव के विकास में ग्रामीणों का अहम योगदान होता है। साधन संपन्न लोगों को गांव के विकास और सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देना चाहिए। समाज सेवा से मन को शांति मिलती है।

उपायुक्त श्री कौशिक शनिवार को गांव धनाना में बाबा ब्रह्मचारी कमेटी और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से गांव धनाना तृतीय स्थित बंगला में आयोजित निशुल्क नेत्र जांच शिविर को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नेत्र जांच शिविर के आयोजन पर बाबा ब्रह्मचारी कमेटी और गांव धनाना की तीनों पंचायत का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि नेत्र जांच शिविर एक पुण्य का कार्य है। यदि आंखें हैं तो हम संसार को देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि आंखों के साथ-साथ हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ की जिंदगी में अक्सर हम स्वास्थ्य की तरफ ध्यान नहीं दे पाते और आजकल खानपान बदल गया है, ऐसे में जरूरी है कि हम समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच भी करवाएं ताकि किसी भी प्रकार की लाइलाज बीमारी का

समय रहते इलाज हो सके।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को आंखों की जांच के बाद ऑपरेशन करवाने में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग की ओर से हर संभव सुविधा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि गांव में स्वच्छता आदि अनेक ऐसे कार्य होते हैं जो ग्रामीण पर ही निर्भर करते हैं। ग्रामीणों को चाहिए कि वे गांव की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखें। इसके साथ ही गांव में जो भी विकास कार्य होते हैं, उनकी निगरानी ग्रामीण करें। गांव के सार्वजनिक स्थलों और भवनों की देखभाल करें यह गांव की पहचान होते हैं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से पानी की बचत करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पानी की एक-एक बूंद कीमती है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि गांव में ग्रामीणों को हर संभव मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी।इसके साथ ही गांव में जो भी सरकार द्वारा विकास कार्य मंजूर किए हुए हैं, उनको अमली जामा शीघ्र पहनाया जाएगा। उन्होंने बंगला स्थित लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया और यहां पर पढ़ाई की व्यवस्था को देखा। उन्होंने लाइब्रेरी में सुविधा मुहैया करवाने में भी आश्वासन दिया। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि गांव धनाना की पश्चिम बंगाल के कोलकाता तक पहचान है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद गांव धनाना निवासी सेठ डॉक्टर सांवर की तारीफ करते हुए कहा कि वे कोलकाता में रहते हुए भी अपने नाम के साथ धनाना लिखते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि इंसान चाहे कितने ही बड़े ओहदे पर क्यों न पहुंच जाए, उसको अपनी जन्मभूमि और कर्म भूमि को कभी नहीं भूलना चाहिए। जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान होती है। नेत्र जांच शिविर के संयोजक एवं पूर्व आईजी राजपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नेत्र जांच शिविर के बाद जरूरतमंद लोगों के ऑपरेशन भी करवाए जाएंगे। बाबा ब्रह्मचारी कमेटी द्वारा समय समय पर स्वास्थ्य शिविरों और अनेक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें ग्रामीणों का भरपूर सहयोग रहता है। गांव धनाना सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की एक मिसाल है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेठ सांवर ने कहा कि उनको अपनी मातृभूमि धनाना पर गर्व है। वे अपने पूर्वजों की तरह गांव के विकास और सामाजिक कार्यों में जितना भी सहयोग होगा, वे हर संभव देंगे। कार्यक्रम को सिविल सर्जन डॉक्टर रघुबीर शांडिल्य ने भी संबोधित किया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि उनको स्वास्थ्य सेवाओं से महरूम नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज अधरंग जैसी बीमारियों का इलाज संभव है। लोग किसी भी प्रकार के झाड़ फूंक की बजाय सरकारी चिकित्सकों से अपना इलाज करवाएं। उन्होंने जरूरतमंद लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे सरकार द्वारा प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें।

बापडोली स्कूल में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 03 मई। उपायुक्त डॉ विवेक भारती के दिशा निदेर्शानुसार व जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान के मार्गदर्शन में स्कूलों में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत आज राजकीय उच्च विद्यालय बापडोली में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर प्रभात फेरी भी निकाली गई।

विद्यालय के नशा मुक्ति के नोडल अगेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को नशा के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नशा एक ऐसा अभिशाप है जो केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार, समाज व देश का नुकसान करता है। उन्होंने कहा कि नशा पहले आर्थिक नुकसान के साथ-साथ व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

एआईकेकेएमएस ने राकेश टिकैत पर किए गए हमले का किया कड़ा विरोध

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 03 मई। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने मुजफ्फरनगर में किसान नेता एवं संयुक्त किसान मोर्चा के अग्रिम नेता राकेश टिकैत पर किए गए हमले एवं अपमानजनक ओछी हरकतों का कड़ा विरोध किया है। प्रेस को जारी बयान में संगठन के जिला प्रधान रोहतास सिंह सैनी ने कहा कि पहलगाम में हुए नृशंस हत्या-काण्ड को रोकने में सरकारी विफलता से ध्यान बटाने और उसे हिन्दू-मुस्लिम वैमनस्य का रंग देने वाली ताकतें देश में जनतांत्रिक आवाज को दबाने की कुचेष्टा में जोर-शोर से लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि गत दिवस संयुक्त किसान मोर्चा के हमारे साथी किसान नेता राकेश टिकैत पर किया गया हमला घोर निंदनीय एक ओछी हरकत है। उनका कहना था कि इसका देश भर में जितना विरोध हो वह उतना ही कम है। इस तरह की घटनाएं पहलगाम काण्ड से दुखी जनता के घावों पर नमक लगाने के समान है। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन मांग करता है कि किसान नेता राकेश टिकैत के हमलावरों की पहचान कर उन्हें दण्डित किया जाए और ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कारगर रोक लगाई जाए।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से नाबालिग लड़के की हुई मौत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 03 मई। ट्रैक्टर की चपेट में आ जाने से गांव खानक में रतेरा के एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्जकर लिया है।

गांव किरावड़ निवासी नरेश ने बताया कि दो मई को वे और उनके भाई का बेटा भारत बाइक से खानक से डाडम की ओर काम पर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति और लापरवाही से चल रहा ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि नरेश एक तरफ गिर पड़े और ट्रैक्टर भारत पर चढ़ गया। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की मदद से घायल भारत को तोशाम सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने 20-30 मिनट के इलाज के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची और स्वजनों की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्जकर लिया है।

संसाधन और वेतन को लेकर की शिकायत

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 03 मई। शाहबाद खंड के जिला परिषद वार्ड नं. 2 में कार्यरत ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला परिषद सदस्य रमेश पाल को एक ज्ञापन सौंपा।

सफाई कर्मचारियों ने मांग की है कि उन्हें कार्य सुचारू रूप से करने के लिए ई-रिक्शा, तिपहिया रेहड़ियां और सफाई के लिए जरूरी औजार उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही, उन्होंने यह भी शिकायत की कि उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से संजीव कुमार, परमजीत, प्रदीप कुमार, मानाराम, मनजीत सिंह, सुरजीत सिंह, राजेश कुमार, बलदेव, गुरमेल सिंह, परमजीत सिंह और बलजीत सिंह जैसे कर्मचारी शामिल रहे। ज्ञापन सौंपने के समय यूनियन का नेतृत्व उप प्रधान विक्रम सिंह कठवा ने किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी गांवों में नियमित सफाई कार्य करते हैं, लेकिन संसाधनों की भारी कमी के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सफाई कर्मचारियों ने बताया कि उनके पास ना तो ई-रिक्शा है और ना ही तिपहिया रेहड़ी, जिसके कारण उन्हें कूड़ा-कचरा उठाने में कठिनाई आती है। पुराने औजार और रेहड़ियां टूट-फूट चुकी हैं, और कई बार लिखित और मौखिक शिकायत देने के बावजूद भी उनकी मरम्मत नहीं करवाई गई। उन्हें मजबूरन इन टूटी-फूटी वस्तुओं के साथ कार्य करना पड़ रहा है। यूनियन के उप प्रधान विक्रम सिंह ने बताया कि पहले भी कुछ कामों को मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन अब तक उनकी पूर्ण रूप से पूर्ति नहीं हुई है। उन्होंने जिला परिषद से मांग की कि सभी सफाई कर्मचारियों को जल्द से जल्द जरूरी उपकरण मुहैया कराए जाएं ताकि वे अपनी ड्यूटी ठीक प्रकार से निभा सकें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी मांग रखी कि सफाई कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जाए, जिससे उन्हें अपने परिवार का भरण-पोषण करने में दिक्कत ना हो। जिला परिषद सदस्य रमेशपाल ने ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए कहा कि सफाई कर्मचारियों की मांगें न केवल जायज हैं, बल्कि यह मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी हुई हैं।

सेंट जेवियर्स स्कूल परिसर में एनसीसी नामांकन प्रक्रिया का शुभारंभ हुआ

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 03 मई। एनसीसी राष्ट्रीय कैडेट की नामांकन प्रक्रिया का शुभारंभ नए सत्र 2025 में हुआ। एनसीसी अधिकारी सूबेदार लोकेश सिंह, हवलदार रविन्द्र व संजीव ने छात्रों को एनसीसी की महत्ता और इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निर्देशिका कीर्ति चौहान व स्कूल प्रधानाचार्या उपस्थित रहे। इस वर्ष कक्षा सातवीं से लेकर 12वीं तक के छात्रों का नामांकन किया। एनसीसी के माध्यम से छात्र न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनते है। बल्कि

उनमें अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की भावना विकसित होती है। इन्ही जानकारी के साथ अधिकारियों ने छात्रों का चयनित किया और छात्रों का प्रशिक्षण किया। जिसमें परेड, ड्रिल, फिजिकल, फिटनेस और सामाजिक सेवा जैसे कार्यक्रम शामिल किए और 25 एनसीसी कैडेट का चयन किया गया। छात्रों को कैंपों में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया। कैंपों में एनसीसी कैडेट में देश प्रेम की भावना जागरूक की जाती है। इन सब विषयों में छात्रों को जागरूक किया। अंत में निर्देशिका द्वारा एनसीसी कैडेट को जानकारी देते हुए अनुशासन, देशभक्ति भी भावना जागृत करने के लिए जानकारी प्रदान की।

क्रेसेंट पब्लिक स्कूल, रतिया में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 03 मई। क्रेसेंट पब्लिक स्कूल, रतिया में आज विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के अंतर्गत समाचार लेख लेखन और अखबार डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त छात्रों ने समाचार पाठक और रिपोर्टर की भूमिका निभाकर समाचार प्रस्तुति की व्यावहारिक समझ भी प्राप्त की।

इस अवसर पर छात्रों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष प्रेस की आवश्यकता, मीडिया की भूमिका तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व के बारे में बताया गया। स्कूल प्रबंधन ने छात्रों को मीडिया क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें निडर, सच्चे और जिम्मेदार नागरिक बनने की सीख दी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री आदेश शर्मा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, "स्वतंत्र प्रेस लोकतंत्र की रीढ़ है, और विद्यार्थियों को इसकी भूमिका को समझना आज के समय की आवश्यकता है।"

देश में केवल हरियाणा में ही वृद्ध, दिव्यांग व विधवाओं को मिल रही सबसे अधिक पेंशन : मोहित चौधरी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 03 मई। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के सुपुत्र एवं युवा भाजपा नेता मोहित चौधरी ने कहा कि आज केंद्र की मोदी व प्रदेश की सैनी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से हर वर्ग में खुशी है तथा देश व प्रदेश तरक्की के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में केवल हरियाणा ही ऐसा प्रांत है, जहां वृद्ध, दिव्यांग और विधवाओं को सबसे अधिक पेंशन मिल रही है। युवा भाजपा नेता मोहित चौधरी शनिवार को लोहारू विधानसभा क्षेत्र के सिवानी ब्लॉक के विभिन्न गांवों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। यह जानकारी सांसद चौ. धर्मबीर सिंह जी के मीडिया प्रभारी प्रविंद्र मांढ़ी ने देते हुए बताया कि

मोहित चौधरी ने शनिवार को गैंडावास, बख्तावरपुरा, मोहिला, गढ़वा, खरखड़ी, शेरपुरा, कालौद, गुढा, घंघाला, बुधशैली, सैनीवास, लीलस, ढ़ाणी सालयावाली, देवसर, कीकराल आदि गांवों में धन्यवादी दौरे के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी तथा अधिकत्तर समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए युवा भाजपा नेता मोहित चौधरी ने कहा कि देश-प्रदेश के आज तक के इतिहास में केवल भाजपा ने ही जनता से किए हर वायदे को पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी वही घोषणा करते हैं, जो पूरी हो सकती है और उसके पूरा होने में कोई तकनीकी अथवा आर्थिक बाधा ना हो। उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास भाजपा का मूलमंत्र है। देश और उसके विकास के लिए काम करना ही प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सभी वर्गों की भलाई के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा इसी कड़ी में प्रत्येक वर्ग के हित की नीतियां क्रियान्वित की जा रही है। इस अवसर पर जिला परिषद वाईस चेयरमैन संजय जांगड़ा, उमेद मतानिया, कुलदीप महला, सुभाष जोधकरण, जेपी बराला, सुनील सूरा, रोशन यादव, शमशेर पंघाल, हरिराम गोलपुरा, धर्मसेना के युवा प्रदेश अध्यक्ष पवन लक्ष्मणपुरा सहित अनेक वरिष्ठ नेता, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि और क्षेत्र के प्रबुद्धजन मौजूद रहे। कार्यक्रमों में सभी संबंधित गांवों के सरपंचों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बढ़-चढकर भागीदारी की।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

एसडीएम ने अधिकारियों को वाटर वर्कस, जोहड़ो व तालाबों में नहरी पानी भरने के दिए आवश्यक निर्देश

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर रतिया, 03 मई। उपमंडलाधीश सुरेश कुमार ने शनिवार को अपने कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर गर्मियों के मौसम के मद्देनजर वाटर वर्कस, जोहड़ो व तालाबों में नहरी पानी भरने के आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बीडीपीओ, ग्राम सचिव व जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर ग्रामीण क्षेत्रों में दौरा करने और जलाशयों को पानी से भरवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम के दौरान आम जनता और पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में पेयजल मिलना चाहिए। उन्होंने सभी ग्राम सचिव को निर्देश दिए कि वे सरपंचों को साथ लेकर जोहड़ो व तालाबों में नहरी पानी से भरा जाए ताकि लोंगो को समुचित मात्रा में पानी उपलब्ध हो। एसडीएम सुरेश कुमार ने नागरिकों से आह्वान किया है वे पानी को व्यर्थ न बहाएं। उन्होंने कहा कि पानी की एक-एक बूंद कीमती है पानी जरूरत के अनुरूप ही प्रयोग करें और नलों को खुला न छोड़ें व पेयजल से वाहनों को न धोएं। उन्होंने कहा है कि नलों पर टोंटियां लगाकर रखें और उनको खुला न छोड़े। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी को व्यर्थ बहाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाए।

इस बैठक में बीडीपीओ विकास कुमार लंग्यान, एसईपीओ महेंद्र सिंह मताना सहित सभी ग्राम सचिव व जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा में जल संकट के विरोध में इनेलो का प्रदर्शन 6 को : कृष्ण मिताथल

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 03 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा हरियाणा को पानी ना देने संबंधी बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस विवादित टिप्पणी के खिलाफ हरियाणा में आक्रोश बढ़ता जा रहा है तथा विभिन्न राजनीतिक दलों व किसान संगठनों ने आम आदमी पार्टी व केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इसी कड़ी में 6 मई को इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी द्वारा भिवानी में पंजाब की आप सरकार व केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ भिवानी में रोष प्रदर्शन किया जाएगा। यह जानकारी इनेलो बवानीखेड़ा हल्का अध्यक्ष कृष्ण मिताथल ने शनिवार को गांव धनाना की मुख्य चौपाल पर कार्यकताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व विधायक औमप्रकाश गौरा व अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन की शुरूआत स्थानीय पुराना बस स्टैंड से होगी, जहां से इनेलो कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए उपायुक्त कार्यालय तक पहुंचेंगे। कृष्ण मिताथल ने कहा कि पंजाब की आप सरकार ने हरियाणा को पानी देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया है तथा इस मामले में केंद्र की भाजपा सरकार भी कुछ नहीं बोल रही, जो कि केंद्र सरकार का हरियाणा विरोधी रवैया दाशार्ता है। उन्होंने कहा कि जल बंटवारा सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार की देखरेख में होना चाहिए।

तेज रफतार ट्राला चालक ने स्विफ्ट कार को मारी जोरदार टक्कर,एक की मौत

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 03 मई। सहारनपुर-कुरूक्षेत्र सडक मार्ग पर गांव धौलरा मोड़ के पास एक तेज रफ तार ट्राला चालक ने स्विफ्ट कार को सामने से जोरदार टक्कर मारी। दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि दुर्घटना में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस दौरान गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति ने जिंदगी और मौत से झुझते हुए दम तोड दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाते हुए शव को परिजनो के हवाले कर दिया। रादौर पुलिस ने शिकायत के आधार पर ट्राला चालक के विरूद्ध मामला दर्ज किया। राजकुमार निवासी भम्भौल ने रादौर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कुरूक्षेत्र यूर्निवसिटी में सहायक के तौर पर कार्यरत है। उसके साथ यूर्निवसिटी में ऋषिपाल पुत्र नानक चंद निवासी ऊषा कॉलोनी, यमुनानगर सहायक के तौर पर, प्रवीण कुमार निवासी राजीव गार्डन, यमुनानगर, टुलिंद्र निवासी शिवपुरी, कांसापुर यूर्निवसिटी में क्लर्क के तौर पर व हरकेश कुमार पुत्र सुरेशपाल निवासी धौडंग चपरासी के तौर पर कार्यरत है। वह सभी स्वीफ्ट कार में यूनिवसिर्टी डयूटी करने जाया करते थे। एसके रोड़ पर एस्सार पेट्रोल पंप के पास एसके रोड पर एक ट्राला चालक ने तेजगति व लापरवाही चलते हुए सामने से आ रही उनकी कार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार चालक ऋषिपाल, प्रवीण, टूलिंद्र, हरकेश व राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर लगने से उनकी गाड़ी के शीशे, खिड़कियां टूट गई। गाड़ी आगे से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। दुर्घटना में हरकेश, ऋषिपाल, टुलिंद्र व राजकुमार बुरी तरह से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस द्वारा उन्हें सिविल अस्पताल लाडवा भिजवाया। जबकि दुर्घटना में हरकेश (45) निवासी धौडंग की मौत हो गई।

एसडीएम ने किया मंडी का औचक निरीक्षण, तोल व स्टाक का लिया जायजा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो इस्माईलाबाद, 03 मई। पिहोवा कपिल शर्मा ने कहा कि गेहूं के उठान के साथ साथ भुगतान का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। खरीदे गए गेहूं का 86 प्रतिशत उठान हो चुका है। आढ़तियों व किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। वे यहां गेहूं खरीद व गेहूं स्टॉक का जायजा लेने के बाद मार्केट कमेटी कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अब तक अनाज मंडी में 76279& क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। जिसमें से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग व हैफेड ने 757996 क्विंटल की खरीद की है। जिसमें से 649950 क्विंटल गेहूं उठान हो चुका है। बाकी बचे 108046 क्विंटल का उठान भी जल्द कर लिया जाएगा। इसके लिए ठेकेदार को आदेश दे दिए गए है। इसके बाद उन्होंने मंडी में जाकर गेहूं खरीद का जायजा लिया और तोल का भी जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों की समस्याओं को भी सुना। उन्होंने कहा कि किसान व आढ़ती को किसी भी प्रकार की कोई समस्या है वह इसके बारे में उन्हें सूचित कर सकता है।

आइंस्टीन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शुगर मिल का शैक्षणिक भ्रमण

गन्ने से चीनी बनने की प्रक्रिया को समझ उत्साहित हुए छात्र

हरियाणा वाटिका/एकजोत शाहाबाद मारकंडा, 03 मई। आइंस्टीन इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा सातवीं और आठवीं के विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को स्थानीय शुगर मिल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को चीनी उत्पादन की वास्तविक प्रक्रिया से अवगत कराना और उनके व्यवहारिक ज्ञान में वृद्धि करना था। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष श्री देवेंद्र सिंगला ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक दौरों से बच्चों को न केवल तकनीकी जानकारी प्राप्त होती है, बल्कि वे देश की अर्थव्यवस्था के कार्यप्रणाली को भी बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। उन्होंने कहा कि चीनी जैसी साधारण वस्तु के निर्माण में कितनी जटिल और संगठित प्रक्रिया होती है, यह जानना बच्चों के लिए एक ज्ञानवर्धक अनुभव रहा। शुगर मिल में उपस्थित चीफ इंजीनियर श्री सतबीर सैनी और लैब इंचार्ज श्री जितेंद्र कुमार बैन्स ने विद्यार्थियों को मिल में उपयोग की जाने वाली मशीनों, उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं और चीनी के भंडारण तक की पूरी प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक परिचय कराया।

उन्होंने बताया कि शुगर मिल में उत्पादन की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में पूरी होती है, जिसमें गन्ने की छंटाई, क्रशिंग, उबालना, सुखाना, कण निर्माण, छंटाई और अंत में पैकेजिंग शामिल हैं। बच्चों को यह भी बताया गया कि शाहाबाद शुगर मिल प्रतिवर्ष कई टन चीनी का उत्पादन करती है, और यहां बिजली का उत्पादन भी किया जाता है, जिसका उपयोग मिल के संचालन में होता है। इस जानकारी को सुनकर छात्र काफी आश्चर्यचकित और उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर स्कूल की डायरेक्टर दीपाली सिंघल ने मिल प्रबंधन का आभार जताते हुए कहा कि बच्चों को औद्योगिक प्रक्रिया से परिचित कराना शिक्षा का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे भ्रमण छात्रों में विषयों के प्रति रुचि और समझ को गहरा करते हैं। वाइस प्रिंसिपल संध्या वर्मा ने बताया कि अधिकतर बच्चे गन्ने की खेती के बारे में तो जानते थे, लेकिन गन्ने से चीनी बनने की प्रक्रिया उनके लिए बिल्कुल नया और रोमांचक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि आगे भी स्कूल इसी प्रकार के शैक्षणिक भ्रमणों और यात्राओं का आयोजन करता रहेगा। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों में भारी उत्साह देखा गया। उन्होंने जिज्ञासावश कई प्रश्न पूछे और अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा बल्कि उन्हें देश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को समझने में भी सहायता मिली।

बच्चे देश का भविष्य होते हैं: सीटीएम

बाल भवन में हुआ विभिन्न गतिविधियों के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 03 मई। उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद भिवानी के प्रधान महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में बाल भवन में विभिन्न गतिविधियों के सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगराधीश अनिल कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विभिन्न गतिविधियों के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए नगराधीश ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। उन्हें अपनी योग्यता और हुनर को दिखाने के लिए भरपूर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार की नई शिक्षा नीति के अनुसार कम उम्र से ही व्यावसायिक प्रशिक्षण की तरफ रुचि रखनी चाहिए। बच्चे इस तरह के प्रशिक्षण लेकर भविष्य में जल्दी कामयाब हो सकते हैं। वे स्वरोजगार भी स्थापित कर सकते हैं।

उन्होंने इस दौरान यहां चलाए जा रहे डे केयर सेंटर के चार बच्चों के साथ उनका जन्मदिन मनाया। सभी बच्चों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए जिला बाल कल्याण अधिकारी ओम प्रकाश बीब्यान ने बताया कि जिला बाल कल्याण परिषद भिवानी द्वारा बच्चों के मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास के लिए समय-समय पर अनेक गतिविधियां चलाई जाती हैं। इसी कड़ी में सिलाई सेंटर, ब्यूटीशियन सेंटर, ताइक्वांडो और आईटीआई से प्रशिक्षण लेने आए बच्चों को सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी बच्चों को गतिविधियों को बढ़ाने के लिए परिषद की तरफ से भरपूर प्रयास किया जाएगा। इस दौरान नगरधीश द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी तृप्ति शयोरन,संदीप एपीओ, सुदेश कुमार , लाइफ मेंबर अंजू बाला और आईटीआई से अजय तंवर, नीतू रानी, नेहा गुप्ता ,सुरेंद्र कौर आदि उपस्थित थे

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी का गठन जल्द होगा : दीदार सिंह नलवी

हरियाणा वाटिका/एकजोत शाहाबाद मारकंडा, 03 मई। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के गठन की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। कमेटी के वरिष्ठ एवं शाहबाद से निर्वाचित सदस्य दीदार सिंह नलवी ने जानकारी दी है कि हरियाणा सरकार ने 9 नामित सदस्यों की नियुक्ति के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इससे कमेटी के गठन में आ रही रुकावटें अब दूर होने की संभावना है। सरकार के इस नोटिफिकेशन के अनुसार, राज्यभर से चुने गए 40 निर्वाचित सदस्य अब 9 नामित सदस्यों का चयन करेंगे। दीदार सिंह नलवी ने बताया कि पिछले कुछ समय से इन 9 सदस्यों की नियुक्ति रुकी हुई थी, जिस कारण नई कमेटी के गठन में बाधा आ रही थी। लेकिन अब इस प्रक्रिया को जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर रविवार को चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री निवास पर एक अहम बैठक होगी, जिसमें सभी 40 निर्वाचित सदस्य भाग लेंगे। इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी शामिल होंगे। बैठक में नई कमेटी के गठन, उसकी रूपरेखा और जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श और रणनीति तैयार की जाएगी। सरदार नलवी, जिन्होंने एचएसजीपीसी के गठन के लिए वर्षों से संघर्ष किया है, ने अपने साथी निर्वाचित सदस्यों से अपील की है कि 9 नामित किए जाने वाले सदस्यों में सभी वर्गों और समुदायों को प्रतिनिधित्व दिया जाए, विशेषकर पिछड़ी जातियों जैसे शिकलीगर, वंजारा आदि को, ताकि कमेटी में सामाजिक समरसता और न्यायसंगत भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कमेटी न केवल धार्मिक कार्यों का प्रबंधन करेगी, बल्कि राज्य के ऐतिहासिक गुरुद्वारों की देखरेख, मरम्मत और विकास के लिए भी कार्य करेगी। इसके अतिरिक्त, यह सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर सिख समुदाय से जुड़े शिक्षा, संस्कृति और समाजसेवा से संबंधित कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ाएगी। नलवी ने कहा कि यह कमेटी पूरे हरियाणा के सिख समुदाय की आशाओं का प्रतीक बनेगी और देशभर के सिखों की निगाहें इसके गठन पर टिकी हुई हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी निर्वाचित सदस्य एकजुटता और परस्पर सहयोग की भावना के साथ कार्य करेंगे, जिससे एक प्रभावी और समावेशी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का गठन संभव हो सकेगा। नलवी ने अंत में यह भी स्पष्ट किया कि कमेटी न केवल धार्मिक कार्यों तक सीमित रहेगी बल्कि यह सामाजिक समरसता, शिक्षा, सेवा कार्य और सिख परंपराओं के संरक्षण के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाएगी।

गीता विद्या मंदिर में आयोजित हुआ आर्ट एंड क्राफ्ट सेमिनार

विद्यार्थियों ने सीखी रंगों और कागजों से सुंदर कलाकृतियां बनाने की विधि

हरियाणा वाटिका/एकजोत शाहाबाद मारकंडा, 03 मई। गीता विद्या मंदिर में रचनात्मक और ज्ञानवर्धक आर्ट एंड क्राफ्ट सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को कला और शिल्प की विभिन्न विधाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य निशा गोयल ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रधानाचार्य निशा गोयल ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि कला और शिल्प, मानव अभिव्यक्ति के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। जहां कला व्यक्ति की कल्पना शक्ति और रचनात्मकता को दशार्ती है, वहीं शिल्प उपयोगी और सौंदर्यपूर्ण वस्तुओं को बनाने की कला है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में सृजनात्मकता के विकास के साथ-साथ उनके मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं। सेमिनार में विशेष रूप से आमंत्रित दिल्ली से आए ऑर्गेनिक क्राफ्ट आर्ट विशेषज्ञ महेंद्र राय ने विद्यार्थियों को रंगीन कागजों की सहायता से अनेक सुंदर वस्तुएं बनाना सिखाया। उन्होंने बच्चों को कैंडल, रोज, क्रिसमस ट्री, कैंडल ट्री, लोटस, जापानी पंखा और रंगोली डिजाइन की बारीकियाँ सिखाईं। उनकी सृजनात्मक शैली और सहज शिक्षण विधि ने विद्यार्थियों को अत्यंत प्रभावित किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अत्यंत उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया और अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सेमिनार के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह जाना कि सीमित संसाधनों का प्रयोग करके भी अत्यंत सुंदर और उपयोगी वस्तुएं तैयार की जा सकती हैं। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य एवं स्टाफ सदस्य रजवंत कौर, सुनील, विक्रम, सूर्य, शैली, ममता, खुशी, अनुराधा, पूजा, रम्मी और सुमेधा रानी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री का 48 घण्टे में गेंहू खरीद, उठान व भुगतान के सभी दावे पुरी तरह फेल सिद्ध हुए: बजरंग गर्ग

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 03 मई। व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांग्फेड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में बारिश के कारण गेंहू व सरसों भीगने पर चिन्ता प्रकट की। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित व्यापारी प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण हिसार व हरियाणा में लगभग 65 लाख क्विंटल गेंहू व सरसों भीग गई है। इससे पहले भी दो बार बारिश होने के कारण लाखों मैट्रिक टन गेंहू भीगने के कारण खराब हो गई है जबकि बार-बार मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में बारिश बताने के बावजूद भी सरकार ने गेंहू का उठान समय पर नहीं किया। जिसके कारण बारिश में अनाज खराब होने से करोड़ो रुपए का नुकसान हो गया है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को गेंहू व सरसों की खरीद व उठान लेट करने के कारण किसान व आढ़तियों को भारी नुकसान हुआ है जबकि गेंहू खरीद 1 अप्रैल से शुरू हो गई थी मगर गेंहू उठान का टैंडर सरकार ने 12 अप्रैल तक दिया और गेंहू के लिए मण्डियों में बारदाना देने में भी काफी देरी की गई। जिसके कारण उठान ना होने से लाखों मैट्रिक टन गेंहू व सरसों मण्डी व सडको पर खुले में पड़ी रही। एक तरफ बारिश के कारण अनाज खराब हुआ दूसरी तरफ बिजली विभाग की लापरवाही के कारण बिजली की तारे खेतों में नीचे लटकने कै कारण हजारों एकड़ में गेंहू जल कर राख हो गई। सरकार को गेंहू बारिश व जलने के कारण जो नुकसान हुआ है उस नुकसान का तुरंत भुगतान किया जाएं। मण्डियों में जो गेंहू व सरसों पड़ी है उसका तुरंत प्रभाव से उठान किया जाएं क्योंकि मौसम विभाग द्वारा आगे चार दिन बारिश व आंधी आने की आशंका जाहिर की है। बजरंग गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री का 48 घण्टे में गेंहू खरीद, उठान व भुगतान के सभी दावे पुरी तरह फेल सिद्ध हुए है। सरकार का 48 घंटे में भुगतान करना तो दूर की बात गेंहू का उठान 15 से 20 दिन तक मण्डियों से नहीं हुआ। सरकार की तरफ से गेंहू खरीद, उठान व भुगतान समय पर ना होने से किसान व आढ़तियों में बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार को गेंहू, धान, सरसों, नरमा व हर फसल खरीद के लिए मण्डियों में पुख्ता प्रबंध करने चाहिए। सरकार को गेंहू व धान खरीद से पहले अनाज उठान के टैंडर व मण्डियों में बारदाना की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि खरीद व उठान में बार-बार देरी के कारण किसान व आढ़तियों को दिक्कत का सामना ना करना पड़े। इस अवसर पर अनाज मंडी जिला प्रधान पवन गर्ग,उप प्रधान बजरंग असरावां, संजय नागपाल, नरेश राजलीवाला, पूर्व प्रधान संजय गोयल, मंदिर प्रधान अशोक गुप्ता, सचिव जगदीश गोदारा, खल चुरी एसोसिएशन के प्रधान त्रिलोक कंसल, पवन गोयल, व्यापार मंडल के संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल,प्रदेश सहसचिव निरंजन गोयल आदि व्यापारी प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

5 मई को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन : जगमोहन आनंद

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 03 मई। जगमोहन आनंद ने कहा कि आगामी 5 मई को केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि रक्तदान शिविर स्थानीय सनातन धर्म मंदिर कुंजपुरा रोड पर प्रातः 9 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि इस रक्तदान शिविर में बढ़-चढकर भाग ले और समाज सेवा में अपना अमूल्य योगदान दें। रक्तदान महादान है, आप द्वारा दिया गया एक यूनिट रक्त किसी भी व्यक्ति की पूरी जिंदगी बचा सकता है। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने से हदय रोग के जोखिम भी कम होते है इसलिए हमे समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। रक्तदान उतना ही जरूरी होता है, जितना की रक्त कमी वाले लोगों के लिए रक्त की आपूर्ति जरूरी होती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से हम किसी की जिंदगी बचा सकते है, रक्तदान करने वाले महान होते हैं जो दूसरों की जिंदगी को बचाने के लिए प्रयास करते हैं। ब्लड बैंक में हमेशा पर्याप्त मात्रा में ब्लड उपलब्ध रहे तथा लोगों को जरूरत पड़ने पर आसानी से ब्लड मिल सके, इसके लिए हमे समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से लोगों के शरीर में एक नई ऊर्जा का संचार होता है, इसलिए आगामी 5 मई को केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर में भाग लें तथा अपना अमूल्य योगदान दे।

प्रदेश स्तरीय नशा मुक्त हरियाणा संकल्प रथ यात्रा पहुंची बवानीखेड़ा, हुआ जोरदार स्वागत

नशा मुक्त समाज की परिकल्पना के लिए लोगों का जागरूक होना बहुत जरूरी : महंत चरणदास महाराज

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 03 मई। नशामुक्त समाज के स्वप्न को पूरा करने के उद्देश्य से युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा निकाली जा रही 9 दिवसीय प्रदेश स्तरीय नशा मुक्त हरियाणा संकल्प रथ यात्रा शनिवार को कस्बा बवानीखेड़ा में पहुंची। यह जानकारी देते हुए समाजसेवी रमेश सैनी व पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार ने बताया कि हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज के नेतृत्व में निकाली जा रही नशा मुक्त हरियाणा संकल्प यात्रा के बवानीखेड़ा में पहुंचने पर बवानीखेड़ा नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री के नेतृत्व में अनेक ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया तथा यात्रा संचालकों के प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज व देश हित में सराहनीय कदम बताया। इस दौरान महंत चरणदास महाराज व चेयरमैन सुंदर अत्री ने उपस्थित सभी को नशे से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया। नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री ने यात्रा को बवानीखेड़ा से हरी झंडी रवाना किया, जिसके बाद यात्रा ने गांव जाटु लोहारी व कुंगड़ में भी ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव बताए। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने कहा कि नशा मुक्त समाज की परिकल्पना के लिए जागरूकता रैली का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज के सभी वर्गों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति चेतना फैलाने का प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से लोगों को बताया जा रहा है कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। विशेष रूप से युवाओं को यह संदेश दिया जाता है कि नशे से दूर रहकर वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। ऐसे में देश के उत्थान एवं तरक्की के लिए नशे को अलविदा कहना बहुत जरूरी है। इस मौके पर बवानीखेड़ा नगर पालिका के चेयरमैन सुंदर अत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ एकजुटता दिखाकर हम नशे जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर सकते है तथा इस प्रकार की जागरूकता रैली लोगों को नशे के खिलाफ एकजुट करती है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए केवल कानून या दंड ही पर्याप्त नहीं, बल्कि जागरूकता ही सबसे सशक्त हथियार है, और रैली उसके प्रचार-प्रसार का प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर गांव जाटु लोहारी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से सीमा देवी सत्यवान, मंडल अध्यक्ष प्रदीप राणा जगन्नाथ महता, रामकिशन काजल, देवेंद्र डीपी, मनीष शंकर, गजेन्द्र शर्मा, मोनू अत्री सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्वस्थ विद्यार्थी, सशक्त राष्ट्र की आधारशिला : डॉ. राकेश भारद्वाज

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। स्वस्थ शरीर स्वस्थ भारत के सूत्र पर कार्य करते हुए अथर्व नव विकास संस्थान कुरुक्षेत्र ने राजकीय उच्च विद्यालय खेड़ी मारकण्डा में गर्मी में होने वाले रोगों के प्रति जागरूक करने के लिए शिविर लगाया। कैंप में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ राकेश भारद्वाज ने कहा कि भारत में 22 फीसदी जनसंख्या किशोरावस्था में है और देश का भविष्य इन्ही पर निर्भर करता है। इस उम्र में शारीरिक विकास व मानसिक विचारों में विकास तेज गति से होता है। अतः इनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। डॉ संजय शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस 1997वें निशुल्क चिकित्सा एवं जागरूक शिविर में गर्मी से होने वाले रोगों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि गर्मियों की तीव्र लहरें नन्हे बच्चों के कोमल शरीर पर गहरा असर डाल सकती हैं। ऐसे समय में उनका विशेष ध्यान रखना जरूरी है और यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। दंत विशेषज्ञ डॉ. सिमरन आनंद ने विद्यार्थियों को दांतों की देखभाल हेतु जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर भोजन के बाद कुल्ला करें, नर्म ब्रश और फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का प्रयोग करें, अत्यधिक ठंडा, गर्म या मीठा खाने से दांतों को नुकसान हो सकता है। मुख्य अध्यापिका पूनम ने अथर्व नव विकास संस्थान, डॉ राकेश भारद्वाज, डॉ संजय शर्मा, डॉ सिमरन आनंद का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संदीप शर्मा, पूनम, सरबती देवी, ममता गुप्ता, उषा पांचाल, अश्वनी कुमार, देव कुमार शर्मा, सुरेंदर कुमार, कुलविंदर कौर, सुरेंद्र, सुनीता इत्यादि मौजूद रहे।

गुरुकुल में हुई अन्तर्सदनीय चित्रकला प्रतियोगिता

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। गुरुकुल के विद्यालय भवन देवयान में अन्तर्सदनीय चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें वरिष्ठ व कनिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने श्रेणी अनुसार विभिन्न विषयों पर चित्रकारी के माध्यम से अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। गुरुकुल के निदेशक एवं ब्रिगेडियर डॉ प्रवीण कुमार शर्मा ने प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते उन्हें भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ज्वाला माता मंदिर से शुरू हुई भक्ति से शक्ति यात्रा का किया भव्य स्वागत

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। हिमाचल प्रदेश में स्थित ज्वाला माता मंदिर से 30 अप्रैल से शुरू हुई भक्ति से शक्ति यात्रा शनिवार को कुरुक्षेत्र की धर्मशाला में पहुंची है। कश्यप धर्मशाला कुरुक्षेत्र में पहुंचने पर प्रधान राजबीर कश्यप सहित समाज के गणमान्य लोगों ने यात्रा का भव्य और जोरदार स्वागत किया। वहीं इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी भी मौजूद रहे। यात्रा के संयोजक डॉ योगी अनूप नाथ ने बताया कि भक्ति से शक्ति यात्रा 30 अप्रैल से शुरू की गई थी और लगभग 7 राज्यो में यह यात्रा पहुंचेगी। इस यात्रा हिमाचल प्रदेश में स्थित ज्वाला माता मंदिर से शुभारंभ किया गया था और 12 मई को इस यात्रा का समापन मध्य प्रदेश में किया जाएगा। समाज के प्रधान राजबीर कश्यप और मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि भक्ति से शक्ति यात्रा आज कुरुक्षेत्र पहुंची है और वह यात्रा का भाव और जोरदार स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि जितने लोग इस यात्रा में शामिल हुए हैं वह पुण्य के भागी हैं। जहां यात्रा पहुंच रही है, वहां वहां पर भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। डॉ योगी अनूप नाथ ने कहा कि शाश्वत हिन्दू का विश्वास है कि अब समय आ गया है, जब दुनिया भारत की ओर 'विश्वगुरु' की भूमिका निभाने के लिए देख रही है। हमें देश की आध्यात्मिक शक्ति को संग्रहीत कर राष्ट्र निर्माण के कार्यों मे लगाना होगा। भक्ति शक्ति का आधार है, शक्ति सहृष्टि का और माँ शक्ति का स्रोत। इस मोके पर राजबीर कश्यप प्रधान, देशराज कश्यप, संजीव कश्यप, राम लाल कश्यप मौजूद रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में छाए किड्स प्लेनेट स्कूल के विद्यार्थी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। किड्स प्लेनेट स्कूल सेक्टर-3 के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल के तविशा, प्रभगुन, जागृत, लविश, मन्नत, नव्या, संभव, युवी, जीना और आरव को उनकी उत्कृष्ट चित्रकला प्रतिभा के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन छात्रों को प्रतियोगिता के लिए चित्रकला शिक्षिका मंदीप कौर ने प्रशिक्षित किया। प्रधानाचार्या सुनीता रानी ने बच्चों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास तथा प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करते हैं।

प्रधानाचार्या सुनीता रानी एवं शिक्षिका मंदीप कौर को भी उनके योगदान हेतु स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता संस्कार भारती द्वारा माता अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती वर्ष पर गुलजारी लाल नंदा स्मारक में कराई गई। समारोह में हरियाणा प्रदेश विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड के चेयरमैन जय सिंह पाल मुख्य अतिथि रहे, जबकि किड्स प्लेनेट स्कूल के प्रबंधक परमिंदर सिंह बाठ विशिष्ट अतिथि थे।प्रतियोगिता में 12 विद्यालयों के लगभग 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भाविप शाखा रतिया द्वारा स्वर्गीय ओम प्रकाश गोयल की याद में लगाया गया 15वां रक्तदान शिविर

-101 यूनिट हुई रक्त एकत्रित

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 03 मई। भारत विकास परिषद् शाखा रतिया द्वारा जिला रैडक्रॉस सोसाइटी फतेहाबाद के तत्वाधान में वरिष्ठ पत्रकार नीटू गोयल के सहयोग से उनके पिता स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश गोयल जी धारसूल वाले की याद में अग्रवाल धर्मशाला नजदीक स्थित गोगामेड़ी प्रांगण में 15वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रतिया के एसडीएम सुरेश कुमार ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। इस शिविर में स्वर्गीय ओम प्रकाश गोयल की धर्मपत्नी शकुंतला देवी व उनके सुपुत्र नीटू गोयल की भी परिवार सहित गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर की अध्यक्षता भाविप प्रांत हरियाणा पश्चिम संगठन सचिव रविंद्र मेहता ने की। शिविर की शुरूआत मुख्यातिथि ने द्वीप प्रज्वलन के साथ की।

शाखा सचिव लोकेश खुराना ने सर्वप्रथम आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में कहा की

रक्तदान सबसे बड़ा दान है और भारत विकास परिषद् रतिया हर वर्ष यह शिविर लगाती है जो की अत्यंत सराहनीय है। संरक्षक डॉ.नरेश गोयल व जिला सह समन्वयक ने परिषद की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। अंत में शाखा अध्यक्ष राज कुमार सिंगला ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

इस शिविर में कुल 101 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं में काफी उत्साह देखा गया महिलाओं ने भी इस शिविर काफी संख्या में रक्तदान किया शिविर के अंत में रक्तदान एकत्रित करने आई फतेहाबाद ब्लड बैंक की मेडिकल टीम को भाविप के पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर सयोंजक सेवा प्रमुख जनक राज गोयल,विपिन बांसल पम्प वाले,बी.एल.बतरा,वित्त सचिव सौरभ गोयल,प्रदीप बांसल,नितेश अग्रवाल,सचिन तनेजा,नरेंद्र मलिक,अनुराग स्वामी,सतीश खन्ना,सुशील जैन,राजेश गुप्ता,अवतार ढींगरा,डॉ.दीपक गोयल,धर्मवीर ललित,रमेश तनेजा आदि भाविप सदस्य एवं भाजपा मंडलाध्यक्ष अकिंत सिंगला,जेकी गर्ग, प्रवीण गर्ग ,सती माता मंदिर प्रधान सोमनाथ गर्ग, एडवोकेट विक्की गर्ग,रमन बलाना,संदीप सिंगला,सुरेश मंगला,मिट्ठू सिंगला, श्याम लाल गोयल,धर्मपाल गोयल, डिंपल गोयल, गुगा मेड़ी मंदिर कमेटी के सदस्य व आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नपा द्वारा मानसून को लेकर शहर के नालों की सफाई न होने से लोगों मे रोष

शिकायत करने पर कर्मचारी मात्र खानापूर्ति कर समस्या से पल्ला झाड़ रहे

स्थानीय लोगों ने नपा कर्मचारियों से की सफाई करवाये जाने की मांग

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 03 मई। मानसून का सीजन सर पर है। लेकिन नगरपालिका रादौर द्वारा शहर के नालों की सफाई अभी तक नहीं करवाई गई। नालो की सफाई न होने से मानसून के सीजन में पानी की निकासी नहीं होती। जिस कारण नालियों का गंदा पानी लोगों के घरों में भर जाता है। कई बार नगरपालिका के कर्मचारियों को इसकी शिकायते भी की गई। परंतु कर्मचारी मात्र खानापूर्ति कर समस्या से अपना पल्ला झाड़ जाते है।

जिससे स्थानीय लोगों में नगरपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। स्थानीय निवासी हरिचंद रोहिला,जय सिंगला,मगतराम जोगी,प्रदीप जोगी,जयकिशन, मायाराम चौहान,सुरेश धोबी,रिंकू कश्यप,लोकेश सैनी,नीरज बतरा,पारस सचदेवा,गुलशन मेहता,लीलाराम काम्बोज आदि ने बताया कि नगरपालिका द्वारा नालों की सफाई केवल गिने चुने क्षेत्र में करवाई जाती है। शहर के खेड़ा महोल्ला में यमुना नहर के पास बने नालों की सफाई अभी तक नही हो पाई है। वही एसके रोड़ पर बने नाले व औढ कॉलोनी व कालेज रोड़ पर बनाए गए नाले की सफाई आज तक नहीं की गई। वहीं कालेज रोड़ पर नालों में बड़े पाइप डालने का कार्य भी बीच में ही छोड दिया गया है। जिससे स्थानीय दुकानदारों में नगरपालिका की प्रति भारी रोष है। उन्होंने बताया कि नालों की सफाई न होने से पानी की निकासी नहीं होती। उन्होंने नगरपालिका कर्मचारियों से स्थानीय नालों की सफाई करवाये जाने की मांग की।

> मानसून से पहले नाले व नालियों की सफाई के लिए कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हुए है। जल्द से जल्द कर्मचारी पूरे शहर के नालों की सफाई का कार्य पूरा कर लेंगे। ताकि शहर में बरसात के कारण सडको व घरों मे जल भाव की जैसी समस्या न हो।
>
> **- सुरेन्द्र मलिक, सचिव, नपा रादौर**

सेंट फ्रांसिस जेवियर स्कूल में धूमधाम से आयोजित किया गया अलंकरण समारोह

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 03 मई। तलवंडी राणा स्थित सेंट फ्रांसिस जेवियर स्कूल के प्रांगण में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अलंकरण समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। समारोह का आरंभ मुख्य अतिथि सदर थाना के एसएचओ ईश्वर सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विद्यासागर, फादर मैनेजर पीटर, नवनिर्वाचित विद्यार्थी परिषद के अभिभावक भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद के प्रतिनिधियों को बैच व सैशे पहनाकर सम्मानित किया।निर्वाचित हेड गर्ल, हेड बॉय व अन्य निर्वाचित छात्रों ने अपना परिचय दिया व स्कूल के आदर्शों को सम्मान देने की शपथ ली। मुख्य अतिथि एस.एच.ओ. ईश्वर सिंह ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप देश का भविष्य है, इसलिए जिस भी क्षेत्र में जाएं, अपने माता-पिता, विद्यालय और देश का नाम रोशन करें और उससे भी महत्वपूर्ण है एक श्रेष्ठ नागरिक बनें। कार्यक्रम के दौरान छात्रा काव्या द्वारा अत्यंत जोश भरी कविता प्रस्तुत की गई व विद्यालय के अन्य छात्रों द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।

राजकीय स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने और टैलेंट पर खर्च होंगे 11.39 करोड़ : नेहा सिंह

सरकार ने स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए पीएमश्री योजना के तहत खर्च किया 1.67 करोड़

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 मई। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि सरकार की तरफ से राजकीय स्कूलों की इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने पर विशेष फोकस रखा है। इन स्कूलों में तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए भी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया है। इस जिले में शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार स्कूलों के इन्फ्रास्ट्रक्चर और टैलेंट जैसे अहम विषयों पर सरकार की तरफ से करीब 11 करोड़ 39 लाख का बजट तय किया है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के गृह क्षेत्र कुरुक्षेत्र में राजकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। इस जिले में समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत राजकीय स्कूलों में 35 से

ज्यादा विषयों को जहन में रखकर कार्य किया जा रहा है। इन विषयों में स्कूलों में कमरों का निर्माण करना, बच्चों की प्रतिभा में निखार लाने के लिए 15 अगस्त, 26 जनवरी, कला उत्सव के साथ-साथ साल भर की सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए मंच उपलब्ध करवाने और स्कूलों में मुरम्मत आदि का कार्य करवाए जाते है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से समग्र शिक्षा की 35 से ज्यादा गतिविधियों को पूरा करने के लिए 7 करोड़ 12 लाख रुपए वर्ष 2024-25 के लिए सैंक्शन किए और इसमें से 6 करोड़ 20 लाख रुपए की राशि गतिविधियों के लिए जारी की गई है। इस जिले में शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए सरकार की पीएमश्री योजना के तहत कार्य किया जा रहा है।

इस जिले में वर्ष 2024-25 में 46 गतिविधियों के लिए पीएमश्री के तहत 1 करोड़ 75 लाख रुपए की ग्रांट सैंक्शन की गई और इसमें से 1 करोड़ 67 लाख रुपए की ग्रांट जारी कर दी गई है। इतना ही नहीं पीएमश्री योजना और समग्र शिक्षा के तहत स्कूलों में सिविल कार्य करवाने के लिए 4 करोड़ 54 लाख रुपए का बजट सैंक्शन किया गया और इसमें से 3 करोड़ 50 लाख का बजट जारी किया गया है।

एसएमसी के माध्यम से स्कूलों में किए जाएंगे 26 विकास कार्य

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग ने दिसंबर 2024 तक स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) के माध्यम से स्कूलों में क्लास रूम, लाइब्रेरी, कंप्यूटर रूम व हेड मास्टर रूम सहित अन्य कार्य करवाएं है। इस वित्त वर्ष 2024-25 में 26 विकास कार्य करवाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सरकार ने 2 करोड़ 61 लाख रुपए का बजट सैंक्शन किया है। यह सभी कार्य प्रगति पर है और इसके लिए करीब 2 करोड़ रुपए का बजट जारी कर दिया गया है।

शॉपिंग का बहिष्कार करें देशवासी : अनिल गोयल

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 03 मई। ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी अमेजान, वालमार्ट व फ्लिपकार्ट के खिलाफ भारत छोड़ो अभियान शुरू हो गया है। अखिल भारतीय व्यापार संघ व स्वदेशी जागरण मंच ने एकजुट होकर ऑनलाइन कारोबार की रोकथाम की मांग की है। अखिल भारतीय व्यापार संघ के सदस्य व स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय प्रचार प्रमुख अनिल गोयल ने बताया कि भारत की जीडीपी की दस प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला खुदरा व्यापार देशभर में आठ प्रतिशत एंप्लॉयमेंट जनरेट करता है। विश्व की बड़ी ऑनलाइन मार्केट कंपनी अमेजॉन, वालमार्ट व फ्लिपकार्ट खुदरा व्यापार से संभव होने वाले रोजगार को निगल जाने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों के खिलाफ अब कई ट्रेडर्स एवं ट्रेडर्स यूनियन लामबंद हो रही हैं। उन्होंने बताया कि आईबीईएफ की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2022 में 7.8 बिलियन ट्रांजेक्शन प्रतिदिन ई-कॉमर्स पर पाए गए हैं। भारत में बढ़ रहे ऑनलाइन शॉपिंग व्यापार का आकलन यह है कि वर्ष 2030 तक ई मार्केट 500 मिलियन पार कर जाएगा जो वर्ष 2020 तक 150 मिलियन तक था। कुल खुदरा बाजार में ई-कॉमर्स खुदरा की हिस्सेदारी 2018 के 4 प्रतिशत से बढक? 2023 में 8 प्रतिशत हो गई है और 2028 तक 13-15 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां अनैतिक तरीकों का उपयोग कर-के अपने व्यापार को बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं और पारंपरिक दुकानदारों और छोटी ई-कॉमर्स फर्मों को प्रतिस्पर्धा से बाहर कर रही हैं। इन कंपनियों की रणनीति यह है कि वे भारी छूट देकर उपभोक्ताओं को लुभाती हैं और घाटा उठाकर किसी तरह बाजार पर कब्जा कर लेना चाहती हैं ताकि उसके बाद मनमर्जी से वे उपभोक्ताओं को लूट सकें। जहां पारंपरिक दुकानदार अधिकतम 10 से 20 प्रतिशत की छूट दे सकते हैं, वहीं बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां 30 से 50 प्रतिशत के बीच छूट देती हैं। यह अधिक छूट उनकी कार्यकुशलता के कारण नहीं बल्कि बाजार पर कब्जा करने के उद्देश्य से घाटा उठाने की उनकी क्षमता के कारण है। अनिल गोयल ने कहा कि कंपनियां अपनी उदारता के कारण छूट नहीं दे रही हैं, हालांकि यह एक सोची-समझी रणनीति है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये घाटा कई हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और आने वाले वर्षों में और भी बढने. वाला है। सबसे ज्यादा घाटा फ्लिपकार्ट व अमेजॉन जैसी बड़ी कंपनियों को हो रहा है। कंपनियों को घाटे में दिखाकर भारत सरकार को आय पर दिए जाने वाले टैक्स की चोरी भी धड़ल्ले से यह कंपनियां कर रही है। खरीद लागत से कम पर बेचने की रणनीति अनैतिक है और यह प्रतिस्पर्धा को खत्म कर देती है।

पारंपरिक दुकानदारों व पुस्तक विक्रेताओं आदि को व्यवसाय से बाहर करके, वित्तीय ताकत का इस्तेमाल करना किसी भी प्रकार से भारतीय बाजार के लिए उचित नहीं माना जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारतीय रिटेल व्यापरियों एवं व्यापारी संगठनों ने 1 मई से अमेजॉन, वालमार्ट व फ्लिपकार्ट के बहिष्कार के लिए अभियान की शुरूआत कर दी है जो भारत के सभी प्रदेशों की राजधानियों में प्रदर्शन एवं जनजागरण के साथ आगे बढ़ेगा। अमेजॉन, वालमार्ट व फ्लिपकार्ट भारत छोड़ो अभियान की प्रमुख मांग है कि प्रतिस्पर्धा कानून 2002 में अमेंडमेंट कर ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं एवं छोटे ट्रेडर्स के हितों की रक्षा के प्रावधान जोड़े जाएं तथा सरकार एवं भारत के आमजन इन एफडीआईई कॉमर्स कंपनियों अमेजॉन, वालमार्ट व फ्लिपकाट के सभी उत्पादों एवं सेवाओं का पूर्ण बहिष्कार करें।

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक यूनियन ने मनाया 78 वां स्थापना दिवस मनाया

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 03 मई। शनिवार को राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक यूनियन ने मनाया 78 वां स्थापना दिवस मनाया, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जोरा सिंह पाबड़ा ने की। इसमें मुख्य रूप प्रदेश अध्यक्ष धर्मबीर सिंह लोहान, प्रदेश महासचिव कृष्ण कुमार नैन, प्रदेश मुख्य सहलाकर मांगे राम भेरिया मौजूद थे। इस अवसर पर मजदूर नेताओं ने कहा कि निर्माण मजदूरों की लंबित मांगों के समाधान को लेकर संगठन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मजदूरों की उदासीनता के चलते मजदूरों को कोई भी सुविधा समय पर नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के कल्याण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर उनके साथ भद्दा मजाक कर रही है। भाजपा सरकार पिछले दस वर्षों से श्रमिक कल्याण बोर्ड के पैसों पर कुंडली मारकर बैठी हुई है। गलत आपत्तियां लगाकर मजदूरों को उनको मिलने वाले लाभ से वंचित किया जा रहा है। भवन निर्माण श्रमिक संघ कई बार श्रम मंत्री तथा बोर्ड के अधिकारियों व उपायुक्त को ज्ञापन देकर मजदूरों की मांगों को पूरा करने व बोर्ड में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की गुहार लगा चुका है, लेकिन इसको लेकर अभी

तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। सरकार की अनदेखी के कारण निर्माण मजदूर धक्के खाने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की उपेक्षा के कारण मजदूरों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कॉरपोरेट घरानों के हक में श्रम कानून बना रही है। मजदूरों का पंजीकरण नहीं हो पा रहा है। रोजाना कार्यस्थलों पर मजदूर काल का ग्रास बन रहे हैं, जिनको पंजीकरण के अभाव में कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिला में कई महीनों से बोर्ड के अधिकारियों के पद खाली पड़े हैं। जिला में कोई भी अधिकारी वर्क स्लीप वेरीफाई नहीं कर रहा है। जिसके चलते जिले के मजदूर धक्के खाने को मजबूर हैं। श्रम कल्याण बोर्ड में मजदूरों की सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की लगातार अनदेखी की वजह से मजदूरों के सामने आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण श्रमिक संघ की मांग है कि सभी निर्माण मजदूरों का पंजीकरण किया जाए, फैमिली आईडी की अनिर्वायता रद्द की जाए, बेमानी आपत्तियों पर रोक लगाई जाए, सभी सुविधाओं को जारी किया जाए, हरियाणा में सभी ब्लॉकों में लेबर चौकों पर लेबर शेड, पीने के लिए स्वच्छ पानी व शौचालय की व्यवस्था की जाए, रिजेक्ट फार्मों को री ओपन किया जाए, 90 दिन की वेरीफाई आसानी से करवाई जाए, सभी गांवों में मनरेगा लागू करवाई जाए, मनरेगा में 200 दिन काम दिया जाए, 600 रुपये दिहाड़ी लागू की जाए, श्रम कल्याण बोर्ड व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए। रद्द पंजीकरण बहाल तुरंत प्रभाव से किए जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने मांगों को पूरा नहीं किया तो उसको निर्माण मजदूरों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। इस मौके जिला अध्यक्ष फतेहाबाद नरेश भुक्कल, भिवानी जिला अध्यक्ष रामोतार खोरड़ा, उकलाना ब्लॉक अध्यक्ष केसर गहलोत, नारनौद सुरेंद्र सैनी, खेड़ी चौपटा प्रधान चतर सिंह, अग्रोहा ब्लॉक अध्यक्ष धर्मबीर कुलेरी, आदमपुर तहसील महासचिव राधेश्याम, हांसी तहसील प्रधान रोहित नैन, बालसमंद तहसील प्रधान प्रदीप,बरवाला मीना खेदड़, प्रवीन, जितेन्द्र मलिक, पवन,फूल कुमार,अनिल,मुकेश तहसील प्रधान,नफे कागसर, नरेन्द्र, धर्मवीर कपड़ों,मदन,पवन,शोभना,कमलेश,आदि मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रो. सम्पत सिंह ने हरियाणा सरकार से कहा कि उन्होंने भाखड़ा व्यास प्रबंधन बोर्ड से लम्बे समय से दूरी क्यों बनाई हुई है। प्रदेश के पानी के मुख्य स्त्रोत सतलुज, व्यास और रावी नदी के पानी की उनको कोई चिंता नहीं है। पंजाब सरकार ने जब इन नदियों के पानी को रोका तो भाखड़ा व्यास प्रबंधन बोर्ड की याद आई।

पुण्य भाग्य बनाती हैं चारधाम की यात्रा

उत्तराखंड को देवभूमि भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भगवान की स्थली। यह प्रदेश भारतवर्ष के अनेक पवित्र एवं महत्वपूर्ण तीर्थो का स्थल है। भगवान की स्थली मने जाने वाला यह प्रदेश पर्यटको को अपने अदभूत सोंदर्य के लिए आकर्षित करता है। अपने अनगिनत पवित्र स्थलों, मंदिरों, तीर्थो, नदियों एवं झीलों से आकर्षित होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ तीर्थाटन के लिए आते है। उत्तराखंड अपने पवित्र धामों के कारण प्रत्येक हिन्दू का वांछित स्थल है। चारधाम, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा को प्रत्येक हिन्दू के लिए अत्यन्त आवश्यक माना गया है। हिन्दू पुराणों के के अनुसार चारधाम की यात्रा पुण्य का भाग्य बनाती है। भगवान की यह स्थली, हजारो वर्ष पहले बनाये गए मंदिरों एवं धामों से यहाँ कि धार्मिक विरासत की और समृद्ध संकेत करती है। विश्व भर से लोग तीर्थाटन के लिए उत्तराखंड में आते है।

उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जो कि आध्यात्मिक वायु से ओतप्रोत है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि, मंदिर एवं तीर्थ इस खुबसूरत प्रदेश में काफी कम दुरी पर स्थित है। प्राकृतिक सोंदर्य के हिसाब से भी उत्तराखंड सर्वोत्तम है- खुबसूरत घाटियाँ, अनछुए पहाड़ी मैदान, बर्फ से ढकी हिमालय कि चोटियाँ, बर्फीले हिमनद, झिलमिलाती झीले, जल धारायें एवं हिमनद। यह राज्य अपने में आध्यात्मिक एवं धार्मिक मंदिरों, धामों, नदियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है।

तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है।

उत्तराखंड के प्रसिद्द धार्मिक स्थल है- बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब एवं पंचकेदार। तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है। जीवन एक यात्रा की तरह है । कभी यह सहज लगती है तो कभी दुर्गम। जब मन में उत्साह और विश्वास की ऊर्जा जागती है तो जीवन यात्रा कितनी भी दुर्गम हो, उसे हम खुशी-खुशी पूरा कर लेते हैं। चारधाम यात्रा को भी लोग विश्वास और उर्जा के साथ उत्साह से पूरा करते हैं । फिर यह ऊर्जा जीवन भर हमारे साथ चलती है। जीवन का हर कठिन और दुसाध्य लगने वाला काम हमारे लिए आसान हो जाता है। यह यात्रा पूरी करने के बाद जीवन की हर मुश्किल आसान लगने लगती है क्योंकि हर वक्त विश्वास की शक्ति हमारे साथ रहती है।

एक समय था, जब आने-जाने के संसाधन भी नहीं थे और चारधाम यात्रा बेहद कठिन मानी जाती थी, तब भी गृहस्थी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बाद दम्पति पैदल चारधाम यात्रा करते थे। उस समय, जो दंपत्ति सकुशल वापस लौट आते, उनके आने की खुशी में पूरा गांव उत्सव मनाता था। वर्ष 1962 के पहले रास्ते इतने आसान नहीं थे। परन्तु चीन के साथ हुए युद्ध के उपरांत भारतीय सैनिकों की आवाजाही से तीर्थयात्रियों के लिए रास्ते आसान हो गए। आवागमन के साधनों में सुधार हुआ और आज चारधाम यात्रा तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय बन चुकी है। प्रतिवर्ष लाखों श्रधालु विश्वास के सहारे इस यात्रा को पूरा करते हैं।

हिन्दुओं के चार पवित्र स्थलों (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, एवं यमुनोत्री) की तीर्थयात्रा को चारधाम यात्रा कहा जाता है। सदियों से संत एवं तीर्थयात्री, निर्वाण की खोज में इन स्थलों पर आते रहे हैं, जिन्हें की हिन्दू पुराणों के अनुसार केदारखंड कहा गया है। हिन्दुओं की आस्था के अनुसार, इन चार स्थानों की यात्रा को अत्यंत धार्मिक महत्व कामाना गया है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ को इन चार धामों में सबसे पवित्र माना गया है। नर एवं नारायण नामक पर्वतों के बीच, एवं अलकनंदा नदी के तट पर स्थित बद्रीनाथ समुद्रतल से 3133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जो की दुनिया के रक्षक माने गए हैं। यहाँ किसी भी जाती या वर्ण के भेदभाव के बिना, प्रभु के दर्शन किये जा सकते हैं। हिमालय की नीलकंठ चोटी का मनोरम रूप श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे देखा जा सकता है। किसी समय यह स्थान बेरी के जंगलों के कारण बद्री वन नाम से प्रसिद्ध था। मंदिर के सामने, अलकनंदा के किनारे एक गर्म पानी का स्रोत तप्त कुंद नाम से जाना जाता है। स्त्रियों के लिए एक अलग कुण्ड की व्यवस्था है।

बदीनाथधाम की खोज आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में की गई थी। अपनी योग सिद्धि एवं तपस्या के बल से शंकराचार्य ने ही अलकनंदा नदी के नारद कुण्ड से भगवान बद्री नारायण की मूर्ती को बाहर निकाल कर तप्तकुंड के पास गरुड़ गुफा में स्थापित किया था, सात शताब्दियों के कालांतर में गढ़वाल के महाराजा द्वारा मंदिर निर्माण कर इस विग्रह को वर्तमान मंदिर में स्थापित करवाया गया था तथा 18वीं शताब्दी में इन्दोर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापित करवाए गए थे। बाद में भूकंप के कारण ध्वस्त हुए बद्रीनारायण मंदिर का वर्ष 1803 में जयपुर के महाराजा द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया था। समय एवं आवश्यकता के आधार पर इसका कई बार जीर्णोद्धार भी हुआ है, वर्तमान मंदिर स्थापत्य कला का अनुपम उदहारण कहा जा सकता है। अलकनंदा नदी से 50 मीटर ऊंचे धरातल पर निर्मित इस मंदिर का प्रवेश द्वार अलकनंदा नदी की ओर देखता हुआ है।

केदारनाथ

उत्तराखंड में लगभग 400 शिव मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ को माना जाता है। पूर्व कथाओं के अनुसार, कुरुक्षेत्र में कौरवों पर विजय पाने के उपरान्त, पांडवों का मन अपने की लोगो की हत्या के कारण ग्लानी से भर गया, और यहाँ भगवान शिव के आशीर्वाद उन्होंने मोक्ष की प्राप्ति की। भीम द्वारा भगवान शिव का पीछा किया जाने पर, वो धरती में विलीन हो गए, शिव के अन्य चार अंग, चार अन्य स्थानों पर उभर आये, जहाँ उन्हें अलग-2 नाम से पूजा जाता है। केदारनाथ एवं इन चार अन्य मंदिरों को एक साथ पञ्च केदार नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ की समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 3584 मीटर है। यह मन्दाकिनी नदी के उदगम स्थल के निकट बसा हुआ है। मंदिर के चारो और ऊंची -2 मनोरम एवं खूबसूरत पहाड़ियां हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ का 14 किलोमीटर का मार्ग पहाड़ी मार्ग है यमुनोत्री की तरह यंहा भी एक तरफ ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरी खाइयाँ जिनकी गहराई जैसे जैसे यात्री ऊपर चढ़ते हैं बढ़ती जाती है, बीच में पगडण्डीनुमा रास्ता है जो पत्थरों से बना हुआ है यद्यपि इसकी चोड़ाई यमुनोत्री मार्ग की अपेक्षा अधिक है ढ्ढ रास्ते में जगह जगह अस्थाई ढ्ढबे बने हुए हैं जो स्थानीय गढ़वाली लोगों द्वारा संचालित होते हैं, इनमें अच्छे खाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, ब्रांडेड वस्तुएं ही उपयोग की जानी चाहियें पूरे मार्ग में अलकनंदा नदी एवं हरियाली से आच्छादित पहाड़ साथ रहते हैं, पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ के ग्लेशियर यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं, पहाड़ों से निकल कर नीचे आने वाले अनेक झरने मन को हर्षित करते हैं, पूरा मार्ग रमणीक तो है किन्तु थका देने वाला भी है गौरीकुंड से सात किलोमीटर की दूरी पर रामबाड़ा नाम का स्थान है यहां यदि यात्री चाहें तो रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध हो सकती है। केदारनाथ का रास्ता तय करने के लिए यहां घोड़े और खच्चर भी उपलब्ध हैं।

गंगोत्री

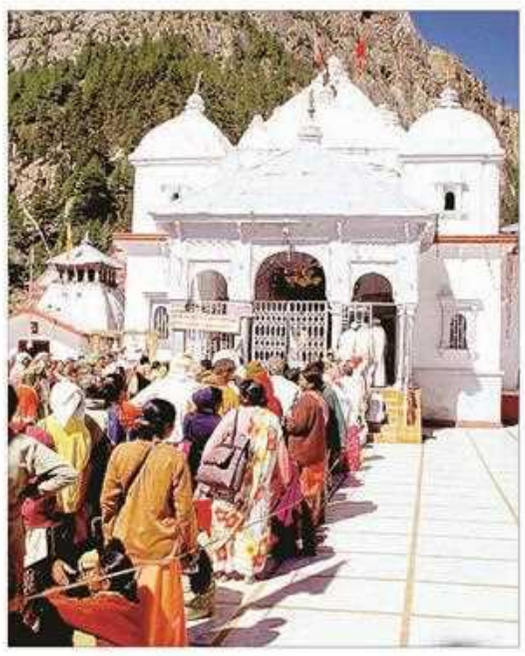

गंगोत्री को पवित्र नदी गंगा का उदगम (गौमुख हिमनद, गंगोत्री से 18 किलोमीटर पैदल) एवं देवगंगा की स्थली माना गया है। उदगम स्थल से नदी को भागीरथी कहा जाता है, एवं देवप्रयाग में अलकनंदा से संगम के बाद, इसे गंगा नाम से जाना जाता है। हिन्दू आस्था के अनुसार, गंगा स्वर्ग की पुत्री हैं, जिन्होंने नदी के रूप में अवतार लेकर राजा भागीरथ के पुरखों के पापों को दूर किया। गंगोत्री मंदिर से लगभग 100 गज दूर केदार गंगा बहती है।

यमनोत्री

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संस्कृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी कहते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेशियर है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेशियर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यहाँ चावल की छोटी छोटी पोटली को गरम पानी के कुण्ड में पकाया जाता है और प्रसाद के तौर भोग लगाया जाता है

सावधानियां जो आवश्यक हैं

स्वांस की बीमारी से पीड़ितों एवं ह्रदय रोगियों को पैदल जाने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए, चढ़ाई में परेशानी हो सकती है तथा ऑक्सीजन की कमी भी परेशान कर सकती है, ऐसे लोगों को गौरीकुंड से छोटे ऑक्सीजन के सिलेंडर खरीद कर साथ रखने चाहियें जो वंहा 250 -300 रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं, कुछ लोग कपूर भी साथ रखते हैं जिसे सूंघने से कुछ राहत मिलती है ढ्ढ पैदल जाने वाले यात्रियों को सुविधा के लिए गौरीकुंड से ही छड़ियाँ (स्टिक्स) ले लेनी चाहिए चढ़ाई वाले मार्ग में यह चढ़ने एवं उतरने में सहायक होती हैं, जून से अगस्त में यंहा बरसात होती रहती है जो परेशानी का कारण बन सकती है इसके लिए हलके रैन कोट्स साथ रखने चाहियें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लिया जा सकता है वैसे मार्ग में भी ऐसे हलके बरसाती गाउन उपलब्ध हो जाते हैं। किसी भी तरह की बीमारी से ग्रसित लोगों को अपनी दवाइयां अवश्य साथ रखनी चाहिए क्योंकि आप जो दवा लेते हैं वह आवश्यक नहीं कि वंहा के मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध हो जाये। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपनी दवा के अतिरिक्त खाने पीने की अन्य आवश्यक सामग्री अपने साथ अवश्य रखनी चाहिए। इस मार्ग में सुविधा जनक वस्त्र पहनने से किसी संभावित परेशानी से बचा जा सकता है। पांव में भी सुविधाजनक शूज़ या सेंडल ही पहनने चाहियें जो पांव को काटे नहीं,महिलाओं को ऊंची हील की चप्पल या सेंडल भूल कर भी नहीं पहननी चाहिए, पांव फिसलने या मुड़ने की संभावना रहती है। अपने साथ कम से कम वजन रखने से आपको थकान कम होगी, वैसे वजनदार सामान के लिए कंडी (पिट्ठू) हायर कर लेना आपके लिए सुविधाजनक होगा। यद्यपि पालकी या कंडी वाले मजदूर ईमानदार होते हैं फिर भी मूल्यवान वस्तुओं के प्रति सावधानी रखनी चाहिए।

मौसम

केदारनाथ में अप्रैल से जून तक मौसम दिन में सुहाना एवं रात्रि में हल्की ठंडक रहती है,इसलिए पहनने के लिए हलके गरम कपड़े साथ लेने चाहिए, जून से सितम्बर बरसात रहती है, पहाड़ों से चट्टानें टूट कर गिरने की भी संभावना रहती है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं अतः सावधानी आवश्यक है,सितम्बर से नवम्बर में मंदिर के पट बंद होने तक तेज़ सर्दी रहती है, भारी गरम कपडे साथ रखना आवश्यक है। दीपावली पर कपट बंद होने के बाद अप्रैल में वापस खुलने तक पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक जाता है, मार्ग भी बर्फ से बंद हो जाते हैं,इस अवधि में यंहा कोई नहीं रहता, दुकानों एवं मकानों की एक से दो मंजिल तक बर्फ में दब जाती हैं।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।